जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 264 प्रभात अजमेर, बुधवार 24 अप्रेल, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ठंडी हवाओं वाले तापमान में जीवन के साथ एडजस्ट करना आर्कटिक सील्स के सरवाइवल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह बात तो सभी जानते हैं कि, ठंडे मौसम में अनुकूलन के लिए इन जानवरों के शरीर पर चरबी की मोटी-मोटी परतें होती हैं, लेकिन अब पता चला है कि, इन जानवरों की नाक की विशेष संरचना भी अनुकूलन में इनकी मदद करती है। हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि, हल्के तापमान में रहने वाली सील्स की तुलना में आर्कटिक सील्स की नाक के पैसेज (मार्ग) अधिक घुमावदार होते हैं। बायोफिज़िकल जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, ठंडे और शुष्क क्षेत्रों में जानवर जब सांस लेते हैं तो उनके शरीर की नमी और गर्मी कम हो जाती है। फेफड़ों को अच्छी तरह काम करने के लिए कुछ गरम और आद्र हवा की ज़रूरत होती है, इसलिए ठंडी हवा में सांस लेना फेफड़ों के लिए खतरा हो सकता है। इस खतरे को कम करने के लिए अधिकतर पक्षी और जानवर प्रजातियों की नेज़ल कैविटीज़ (नाक की गुहिका) में "कॉम्प्लैक्स बोन्स" (जटिल हड्डियाँ) होती हैं जिन्हें "मैक्सिलोटर्बिनेट्स" कहते हैं। ये पोरस (छिद्रित) हड्डियाँ म्यूकस (कफ, बलगम) और टिशू से ढकी होती हैं जो कि सांस के साथ अंदर जाने वाली हवा को गर्म और नम करते हैं। बाहर छोड़ी गई सांस के साथ गर्मी और आर्द्रता में कमी आती है और मैक्सिलोटर्बिनेट्स गर्मी और आर्द्रता के इस ह्रास को कम करती हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि, नाक की ये संरचनाएं सांस लेते और छोड़ते समय नमी और गर्मी को बनाए रखने में आर्कटिक सील्स की मदद करती हैं। नॉर्वेजियन युनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड टैक्नॉलजी में फिज़िकल कैमिस्ट्री की प्रोफेसर तथा शोध की सहलोखक, सिन्या शैल्ब्रुप ने एक वक्तव्य में कहा, "नेज़ल कैविटीज़ में इस जटिल संरचना के कारण, एक से वातावरण में भी, सब ट्रॉपिकल सील्स के मुकाबले आर्कटिक सील्स में सांस लेते और छोड़ते समय गर्मी का ह्रास कम होता है। इससे आर्कटिक सील्स को इवोल्यूश्नरी एडवांटेज (विकासवादी लाभ) मिलता है। शैल्ब्रुप के अनुसार सांस लेते और छोड़ते समय आर्कटिक सील्स हवा की 94 प्रतिशत नमी को बरकरार रखती हैं।

कांग्रेस का मानना है, प्रथम चरण की वोटिंग के बाद प्र.मंत्री रक्षात्मक मुद्रा में आ गये

'यह ही कारण है कि, इस बार 400 पार का नारा दो तीन दिन में नेपथ्य में चला गया है'

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। वर्तमान में चल रहे लोकसभा चुनावों में एक नया "ट्विस्ट" आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने "400 पार" का नारा नेपथ्य में डाल दिया है जिसे अब तक वो नियमित रूप से इस्तेमाल कर रहे थे। पिछले दो दिनों से प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषणों में इस नारे का इस्तेमाल नहीं किया है। कांग्रेस खेमे का तो यह भी प्रचार है कि, भाजपा केवल अपने मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को उत्साहित व संगठित करने के लिए इसका उपयोग कर रही थी। तथा इसे गंभीरता से लेने की तो बात ही नहीं थी। लेकिन इसका विपरीत असर हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता अपने घर बैठ गया है और आर.एस.एस. कार्यकर्ताओं पर भी यही बात लागू होती है।

- **साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि, प्रथम चरण के मतदान के बाद, प्र.मंत्री मोदी ने अचानक व गुप्त यात्रा की नागपुर की और संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की, हालांकि, गत दस वर्ष में प्र.मंत्री मोदी ने भागवत से कोई खास मुलाकात व बातचीत नहीं की थी।**
- **कांग्रेस खेमे का तो यह भी प्रचार है कि, अबकी बार 400 पार के नारे का उपयोग तो केवल भाजपा व संघ के कार्यकर्ता का मनोबल ऊँचा रखने के लिए था, तथा कभी भी इसे गंभीरता से लेने की तो बात ही नहीं थी।**

विपक्ष ने भाजपा के इस नारे का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए किया कि, भाजपा संविधान को बदलना चाहती है तथा देश में प्रजातंत्र को खत्म करना चाहती है।

यह संदेश वायरल हो गया है तथा प्रधानमंत्री को एक रैली में स्पष्टीकरण देना पड़ा कि, संविधान को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है तथा स्वयं अंबेडकर भी ऐसे परिवर्तन नहीं कर सकते।

क्या भाजपा और प्रधानमंत्री रक्षात्मक मुद्रा में हैं?

क्या भाजपा संकट में है?

सत्ता के नजदीक सूत्रों का कहना है- हाँ।

मतदान के पहले चरण के बाद परिणाम यह था कि, नरेन्द्र मोदी ने नागपुर की तुरन्त तथा बहुत गोपनीय यात्रा की, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत से मिलने के लिये, जिन्हें उन्होंने गत 10 वर्ष से किनारे कर रखा था तथा नज़र अदांज किया हुआ था। इस अवधि में वे न तो भागवत से मिल रहे थे न ही वार्तालाप कर रहे थे।

चूँकि वे आर.एस.एस. के "बॉस" ही नहीं, बल्कि मोदी के भी "बॉस" हैं, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जब राम मंदिर का उद्घाटन हो रहा था, उन्हें एक साइड में बैठाया गया था।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कम मतदान ने मोदी को विचलित कर दिया है तथा भाजपा के समीक्षकों का कहना है कि, यदि यह प्रवृति इस तरह आगे चली तो यह नरेन्द्र मोदी के लिये बड़ा संकट बन सकती है।

स्तब्ध हैं तृणमूल कांग्रेस के नेता भी, ममता बनर्जी की भाषा व भद्दे शब्दों के उपयोग से

क्या सार्वजनिक भाषण व बातचीत में "अशोभनीय" भाषा का प्रयोग ममता बनर्जी की कुण्ठा व हताश होने की निशानी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। अत्यधिक खेदजनक बात है, ममता बनर्जी बंगाल की राजनीतिक भाषा को बहुत ही भद्दे और निचले स्तर तक ले गई हैं।

अभी तक कोई सोच भी नहीं सकता था, लेकिन ममता बनर्जी ने एक चुनावी भाषण में मंच से पुरूष जननांग की बात करते हुए अत्यंत अशिष्ट भाषा का उपयोग किया। उसके बाद से उनके भाषण का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब सर्कुलेट हो रहा है तथा और भी अश्लील कमैन्ट्स के साथ वायरल हो गया है।

यह केवल एक घटना नहीं थी। समय-समय पर चुनावी मंच से वो अपने भाषणों में इस तरह की अशिष्ट भाषा का प्रयोग करती रही हैं, जिनमें से कुछ पर उन्हें स्वयं भी खेद हुआ है। अब यह उनके बोलने का तरीका हो गया है।

- **इस संदर्भ में नवीनतम है, शिक्षा विभाग द्वारा की गयी हजारों नियुक्तियों को, गलत व भ्रष्टाचार में लिप्त मानते हुए हाई कोर्ट द्वारा रद्द करना।**
- **ममता बनर्जी बाध्य हैं, हाई कोर्ट के आदेश की अनुपालना करने के लिये, पर, दूसरी ओर जनता के समक्ष भ्रष्टाचार का पर्दाफाश काफी अटपटी स्थिति पैदा कर रहा है तथा मध्यम वर्ग भी अब संदेह व संशय की दृष्टि से देख रहा है, तृणमूल सरकार के दस साल के शासन को।**

कुछ सम्मानित राजनीतिज्ञ खुलेआम ममता बनर्जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा उनके संस्कारों की बात कर रहे हैं। बंगाल के "भद्रलोक" सोशल सर्कल में इस तरह की भाषा का प्रयोग सख्ती से निषिद्ध है। ममता द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को परिवार के बीच बोला भी नहीं जा सकता।

लेकिन पिछले कुछ समय से उनके भाषण तथा भाषा लगातार और भद्दी और असामाजिक होती जा रही है। प्रतिद्वंदी राजनीतिक पार्टियों तथा नेताओं ने इसकी निंदा भी की है लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा है। उनके भाषणों की भाषा भद्दी से भद्दी होती जा रही है।

निजी तौर पर, लंबे समय से उनके सहयोगी रहे नेताओं ने भी स्वीकार किया है कि, आपस में बात करते हुए भी वो अपमानजनक भाषा का प्रयोग करती हैं। जो लोग उनको छोड़कर जा चुके हैं, वो अब उनके बुरे गुस्से और "भद्दी" भाषा को याद कर रहे हैं। शायद उनकी भाषा शैली उनकी निराशा के अनुरूप बदलती जा रही है। क्योंकि, वो हर तरफ से अपने आपको घिरा हुआ महसूस कर रही हैं तथा उनकी तृणमूल कांग्रेस प्रभावी पार्टी के रूप में उभरेगी, इस बात की संभावनाएं क्षीण होती जा रही हैं, जिससे उनका संतुलन भी प्रभावित हो रहा है।

स्कूलों में टीचरों की नियुक्तियों को लेकर अदालत के नवीनतम आदेश ने भारी गड़बड़ी पैदा कर दी है। स्कूल टीचरों की नियुक्ति पर कल के कोर्ट के आदेश ने भारी अव्यवस्था पैदा कर दी है। वो अदालत के आदेश की क्रियान्विति को टाल नहीं सकतीं ना ही टीचरों की बर्खास्तगी को रोक सकती हैं। इसके साथ ही, कई ऐसे योग्य प्रत्याशी हैं जिनकी नियुक्तियाँ वास्तविक हैं, वो भी प्रभावित हुए हैं। वृहद् स्तर पर हुए भ्रष्टाचार तथा आवेदकों से वसूले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बसपा पर भाजपा की "बी टीम" को टिकट देने का आरोप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। बसपा सांसद दानिश अली, जो उत्तर प्रदेश में अमरोहा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए दल बदलकर कांग्रेस में शामिल हो गए, ने मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती पर आरोप लगाया कि, वे अपनी पार्टी का टिकट "भाजपा की बी टीम" को दे रही हैं।

अमरोहा में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने दावा किया कि, बसपा के प्रत्याशियों का चुनावों के लिए

- **बसपा छोड़ कांग्रेस में आये सांसद दानिश अली ने एक रैली में यह आरोप लगाया।**

चयन भाजपा ने किया है। उन्होंने जोर देकर यह भी कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी 19 अप्रैल को सम्पन्न हुए प्रथम चरण के चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन से काफी निराश हैं।

दानिश ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि, चुनावों में उनकी (दानिश) पराजय सुनिश्चित करने के लिए मोदी ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। दानिश ने यह भी कहा कि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो सप्ताह में चौथी बार अमरोहा आ रहे हैं, और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनावी नारों की यात्रा भी कम रोचक नहीं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। "अबकी बार 400 पार" के भाजपा के नारे का असाधारण पहलू यह है कि, पिछली बार के विपरीत इस बार का नारा किसी एक व्यक्ति अथवा पार्टी की राजनीतिक विचारधारा के इर्द-गिर्द केन्द्रित प्रतीत नहीं होता। पूर्व में राजनीतिक पार्टियों के थीम स्लोगन शक्तिशाली राजनीतिक संदेश दिया करते थे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने एक लोकप्रिय नारा दिया था "तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चारा" वर्ष 2017 में जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव पूर्व गठबंधन किया था, तब ऐसे होर्डिंग्स और पोस्टर्स लगाए गए थे, जिन पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव की तस्वीरें थीं और साथ ही ये संदेश थे- "यू.पी. को यह साथ पसन्द है" और "यू.पी. के लड़के।" वर्ष 2011 में जब लालू यादव और नीतीश कुमार एकजुट हुए थे, तब पटना की गलियों में लगे पोस्टर्स पर लिखा था, "बिहार में बहार है, फिर से नीतीश कुमार है।" कुछ अन्य आकर्षक नारों में आम आदमी पार्टी (आप) का दिल्ली का यह आकर्षक नारा, "अच्छे बीते पाँच साल, लगे रहो केजरीवाल" और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का यह नारा "मां, माटी, मानुष", शामिल हैं। लोकसभा चुनावों में भी राजनीतिक मैसेज या तो व्यक्तित्व केन्द्रित अथवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बसपा ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत में "तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार" से की थी।**
- **2017 में कांग्रेस व सपा ने "प्री-पोल अलायंस" (मतदान पूर्व गठबंधन) किया था, विधानसभा चुनाव में तथा नारा प्रचलित हुआ था, "यू.पी. को यह साथ पसंद है"।**
- **2011 में जब लालू यादव व नीतीश कुमार ने मिलकर चुनाव लड़े थे, पटना में यह नारा सड़कों पर पोस्टर के रूप में छाया हुआ था, "बिहार में बहार है, फिर से नीतीश कुमार है।"**
- **आम आदमी पार्टी का नारा था, "अच्छे बीते पांच साल, लगे रहो केजरीवाल"।**
- **तृणमूल का प्रारंभिक नारा था, "मां, माटी मानुष"।**
- **2004 में कांग्रेस का नारा था, "कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ", 2009 में कांग्रेस का नारा था, "आम आदमी के बढ़ते कदम, हर कदम भारत बुलंद", 1996 में भाजपा का लोकप्रिय नारा था, "बारी-बारी सबकी बारी अब की बारी अटल बिहारी"।**
- **1989 में वी.पी. सिंह के लिये लिखा गया नारा, शायद सबसे लोकप्रिय नारा रहा, "राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है"।**

सबसे अमीर उम्मीदवार

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान आगामी 26 अप्रैल को है। इसके बाद पांच और चरणों के लिए वोट डाले जाएंगे और 4 जून को काउंटिंग होगी। इस वक्त तमाम दल और नेतागण चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि, इस लोकसभा

- **टी.डी.पी. उम्मीदवार पेमासनी चंद्रशेखर ने अपने परिवार की कुल संपति 5785 करोड़ बताई है। इस हलफनामे के साथ ही वह देश के सबसे अमीर उम्मीदवार बन गए हैं।**

चुनाव में देश का सबसे अमीर उम्मीदवार कौन है?

टी.डी.पी. उम्मीदवार पेमासनी चंद्रशेखर ने अपने परिवार की कुल संपति 5785 करोड़ बताई है। इस हलफनामे के साथ ही वह देश के सबसे अमीर उम्मीदवार बन गए हैं।

'आंध्र से 42 सांसद हैं, पर एक कैबिनेट मंत्री, गुजरात से 26 सांसद पर 6 कैबिनेट मंत्री, यू.पी. से भाजपा के 62 सांसद हैं, पर 12 कैबिनेट मंत्री'

तेलंगाना के मु.मंत्री रैवन्त रेड्डी ने "साऊथ इण्डिया" के साथ हो रहे अन्याय की लम्बी सूची गिनायी, भाजपा पर उत्तर व दक्षिण भारत के बीच खाई उत्पन्न करने का आरोप लगाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। रैवन्त रेड्डी एक ऐसी पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने वर्ष 1947 के बाद से, जब पंडित जवाहर लाल नेहरू के देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे, पांच दशकों तक देश पर राज किया था। लेकिन रेड्डी ने केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के "हिंदी, हिन्दुस्तान, हिन्दुत्व" दृष्टिकोण को लेकर प्रश्न करने शुरु कर दिए हैं। वे इस पर जोर दे रहे है कि, नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से भाजपा दक्षिण भारत की उपेक्षा करती रही है।

यह शायद दक्षिण भारत से कांग्रेस की सबसे मजबूत आवाज़ है। तेलंगाना में मजबूत मानी जाने वाली भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) एवं उसके प्रमुख, तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव को विषम परिस्थितियों में हराकर कांग्रेस अब नए जोश में है। तेलंगाना के विधानसभा चुनावों के कुछ हफ्तों पहले तक तो चन्द्रशेखर राव को हराना असंभव माना जा रहा था।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री एम. रैवन्त रेड्डी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत आर.एस.एस. की छात्र इकाई, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी। रेड्डी के तेवर उग्र हैं। वे भाजपा और हिंदी भाषी राज्यों के नेताओं की आलोचना करते हुए कहते हैं कि, संसद में अपनी शक्ति के असंगत अनुपात के बावजूद ये लोग सत्ता का मजा ले रहे हैं,

- **मु.मंत्री रेड्डी के अनुसार भाजपा "नॉर्थ-साउथ डिवाइड" का फॉर्मूला भाजपा के संगठन में नियुक्तियों के समय भी करती है। रेड्डी ने कहा, पार्टी में भी दक्षिण भारत के भाजपा नेताओं को एक हद तक ही बढ़ने दिया जाता है और रिटायर कर दिया जाता है। उदाहरण के लिये वैंकैया नायडू व राम माधव का नाम लिया जा सकता है।**
- **रेड्डी के अनुसार, इसी कारण से भाजपा दक्षिण भारत की 130 सीटों में इस बार बीस से भी कम सीटों पर जीत पायेगी।**
- **मु.मंत्री रैवन्त रेड्डी ने राजनीतिक जीवन की शुरूआत, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी।**

जबकि संसद के तेलुगू भाषी सदस्यों की उपेक्षा की जा रही है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, दोनों राज्यों से कुल 42 सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा जाते हैं और दोनों ही राज्यों को मिलाकर वर्तमान में केवल एक सांसद केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री है और वो हैं भाजपा के जी. किशन रेड्डी। गुजरात में लोकसभा की कुल 26 सीटें हैं, लेकिन प्रधानमंत्री, गृह मंत्री के अलावा छह कैबिनेट मंत्री वहां से हैं। उत्तर प्रदेश से भाजपा के 62 सांसद हैं, लेकिन केन्द्र सरकार में वहां से 12 कैबिनेट मंत्री है। रेड्डी अपनी शिकायत के समर्थन में तथ्य प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि, "हिन्दी भाषी राज्यों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और कई अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक पद हथिया लिए हैं।"

उनका आरोप है कि, भाजपा अपने कार्यों से देश में उत्तर-दक्षिण विभाजन की भावना पैदा कर रही है। बात जब कैबिनेट मंत्री एवं महत्वपूर्ण पदों की करें तो, भाजपा ने ना केवल दक्षिण भारतीय राज्यों की उपेक्षा की है, बल्कि सूखा राहत या प्रोजैक्ट्स की पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में भी वह दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

तेलंगाना में कांग्रेस के इस सशक्त नेता ने पिछले दो दिनों में मीडिया को दिए गए साक्षात्कारों में कहा कि, भाजपा के भीतर भी दक्षिण भारतीय नेताओं को एक सीमा से अधिक आगे बढ़ने की अनुमति नहीं है। उन्होंने इस संदर्भ में वेंकैया नायडू और राम माधव का नाम विशेषतौर पर लिया। उन्होंने कहा कि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यह राष्ट्र और संविधान बचाने का चुनाव है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि, वर्तमान लोकसभा चुनाव सिर्फ नई सरकार चुनने के लिए नहीं है, बल्कि देश व भारत का संविधान बचाने के लिए है।

ट्विटर पर एक पोस्ट में उन्होंने

- **राहुल गांधी ने यह भी कहा कि, सूरत ने राष्ट्र के सामने तानाशाही की तस्वीर पेश की।**

कहा कि, गुजरात के शहर सूरत ने एक बार फिर देश के सामने तानाशाही की एक तस्वीर प्रस्तुत की है।

उन्होंने कहा, बाबा साहब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान को खत्म करके, अपना नेता चुनने के लोगों के अधिकार को छीनने का यह एक और कदम है।

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

अवैध खनन पर ऑडिट रिपोर्ट क्या शासन को जगा पाएगी?

खनिज मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन हैं मगर वह ऐसी संपदा है जो सीमित है और जिसे फिर से नहीं बनाया जा सकता। इसलिए उसका खनन बड़ी सावधानी से किया जाना अपेक्षित होता है। यही कारण है कि खनन गतिविधियों पर राज्य नियंत्रण के कड़े कानून होते हैं। मगर जब राजका तंत्र भ्रष्टाचार में डूब जाए तब खनन माफियाओं की बन आती है। राजस्थान में 81 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं जिनमें से 57 का व्यावसायिक दोहन अभी किया जा रहा है। बहुतों को यह जान कर आश्चर्य होगा कि देश में सर्वाधिक खनन पट्टे राजस्थान में हैं। इसके बावजूद माइनिंग से राजकोष को पूरा राजस्व नहीं मिलता है क्योंकि उसका बड़ा हिस्सा कार्यपालिका की लापरवाही व भ्रष्टाचार से छीजत में चला जाता है। खनिज विभाग के नवीनतम वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन के अनुसार विभाग पिछले वर्षों में राजस्व के वार्षिक लक्ष्य कभी प्राप्त नहीं कर पाया है। राजस्व के लक्ष्य और प्राप्ति के बीच अंतर साल-दर साल बढ़ता ही गया है। इसका एक बड़ा कारण चहुं ओर फैला भ्रष्टाचार है जिसके चलते अवैध खनन को रोकने और रॉयल्टी की चोरी पर प्रभावी नियंत्रण करने में राज्य पूरी तरह असफल नज़र आता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017-18 में 4,900 करोड़ रुपयों के वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले 4,521.52 करोड़ रुपये की ही आय हुई, जबकि 2016-19 में छह हजार करोड़ रुपये के मुकाबले 5,301.48 करोड़ रुपये ही मिले। इसके अगले साल 6,600 करोड़ रुपयों की आय के लक्ष्य के मुकाबले 4,579.09 करोड़ रुपये, 2020-21 में सात हजार करोड़ रुपयों के मुकाबले 4,965.47 रुपये और 2021-22 में दिसंबर 2021 के अंत तक 7,100 करोड़ के मुकाबले 4,159.12 करोड़ रुपये ही मिल पाए थे। यह हाल तब है जब अवैध खनन को रोकने के लिए खनिज विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावा संबंधित जिला कलेक्टर, एसडीएम तथा तहसीलदार के अलावा उप वन संरक्षक के अधीन क्षेत्रीय वन अधिकारी एवं एसडीआरआई के रेवेन्यू इंटेलिजेंस ऑफिसर को भी अधिकार दिए हुए हैं। भारत सरकार के आईबीएम विभाग के माइनिंग सर्विलियांस सिस्टम (एमएसएस) के जरिए सैटेलाइट इमेजरी तकनीक से प्रधान एवं अप्रधान खनन पट्टों के 500 मीटर की परिधि में अवैध खनन के ट्रिगर पॉइंट भी राज्य के खनिज विभाग को भेजे जाते हैं। मगर कार्यवाही नहीं होती। खनिजों के बड़े पैमाने पर अवैध खनन की खबरें समाचार माध्यमों में तो अक्सर आती रहती हैं, लेकिन खुद खान विभाग ने भी वर्ष 2015-16 से 2019-20 के दौरान अवैध खनन के 48,486 मामलों की पहचान की। यह आंकड़ा इस दौरान अवैध खनन के मामलों में 169 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक (सीएजी) ने इसका आकलन करने के लिए एक विशेष ऑडिट किया। ऑडिट का दायरा अवैध खनन गतिविधियों का पता लगाने और विभाग द्वारा शुरू की गई उपचारात्मक कार्रवाई के लिए तंत्र की जांच करना था। सीएजी ने अवैध खनन के मामलों की जांच के लिए विभाग के पास संसाधनों की उपलब्धता के सवाल का समाधान करने का भी प्रयास किया। इस विशेष ऑडिट में 'गूगल अर्थ प्रो' के माध्यम से रीमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस तकनीक का उपयोग भी किया गया। खदानों और अवैध खनन स्थलों के संयुक्त भौतिक सत्यापन के साथ-साथ राज्य भर में 12 खनन कार्यालयों के रिकॉर्ड की जांच की गई। ऑडिट ने इन चयनित कार्यालयों में खनन पट्टे के क्षेत्र से बाहर अवैध खनन के क्षेत्र का पता लगाने के लिए रिकॉर्ड और उपग्रह चित्रों के माध्यम से एक स्वतंत्र अध्ययन किया।

सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि विभाग ने अवैध खनन गतिविधियों की पहचान करने और उन पर अंकुश लगाने के लिए सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नि:शुल्क तकनीकों का लाभ नहीं उठाया। ऑडिट में खनिज पट्टों की ओवरलैपिंग और पट्टों के बीच अंतराल वाले क्षेत्रों के आवंटन या नीलामी न होने जैसी अनियमितताएं सामने आईं। स्पष्ट तौर पर संबंधित अधिकारियों द्वारा खानों के अपर्याप्त निरीक्षण का परिणाम है कि इन अनियमितताओं की पहचान नहीं हो सकी। रिमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस तकनीक के उपयोग से सीएजी ने 122 मामलों (परीक्षण जांच किए गए पट्टों का 34 प्रतिशत) में अवैध खनन गतिविधियों की पहचान की, कुल 49 डिवीजनों में से पांच चयनित डिवीजनों के तहत पांच चयनित तहसीलों में स्वीकृत खनन पट्टों की पहचान की और अवैध खनन का 83.25 हेक्टेयर क्षेत्र चिन्हित किया। इसने 13 खनन पट्टों ऐसे भी पाए जहां खनिज का उत्खनन ही नहीं किया गया था, मगर 22,854 ई-रवन्ना (खनन विभाग द्वारा खनन पट्टा क्षेत्र से खनिज प्रेषण के लिए इलेक्ट्रॉनिक चालान) का दुरुपयोग करके 5.20 लाख मीट्रिक टन खनिज का प्रेषण दिखा दिया गया था। विभाग ने खनन गतिविधियों की प्रभावी निगरानी के लिए 10 अक्टूबर, 2017 से एक वेब-आधारित एप्लिकेशन डीएमजीओएमएस पर काम चालू किया मगर वह इस प्रणाली का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में विफल रहा। जैसे 53 मामलों में अवैध खनन गतिविधियों से संबंधित मांगें (71.20 करोड़ रुपये) डीएमजीओएमएस में बनाए गए मांग रजिस्टर पर नहीं दिखाई गईं। खनन पट्टों से पर्यावरण मंजूरी प्रमाण पत्र या संचालन की सहमति में निर्धारित सीमा से अधिक खनिजों का प्रेषण पाया गया, लेकिन अनुमेय मात्रा से अधिक खनिज के प्रेषण को रोकने के लिए सिस्टम में कोई जांच नहीं की गई। विभाग ने 38 खनन पट्टों में उत्खनन किये गये खनिजों की अधिक या अनाधिकृत मात्रा पर अपेक्षित 13,99 करोड़ रूपये का जुर्माना भी नहीं लगाया। राजस्थान में रॉयल्टी की दरें कुछ विशिष्ट खनिजों को छोड़ कर खनिज के वजन पर आधारित होती है। जिन तुलाओं पर उनको तोला जाता है उनमें से कुछ चुनी हुई तुलाओं के संचालन की सीएजी ने समीक्षा की तो उनमें से 81.68 प्रतिशत मालों में घपले पाए गए जिन्हें शासकीय भाषा में गंभीर अनियमितताऐं कहते हैं। घपले भी ऐसे जिनसे लगता है किसी को कानून की कोई परवाह ही न हो। जैसे 33.28 प्रतिशत ई रवन्नों की पुष्टि के लिए एक ही वाहन के फोटो का अनेक बार उपयोग किया गया। अर्थात जिन वाहनों के लिए ई रवन्ना जारी किए गए वे या तो तुला तक पहुंचे ही नहीं या बिना वजन करवाए ही चलते बने। इससे साबित होता है कि वाहन के वास्तविक वजन के बिना ई रवन्ना की पुष्टि की गई। विभाग इन तुलाओं के संचालन की निगरानी करने में विफल रहा जिसका सीधा असर सरकार के राजस्व पर पड़ा। विभाग के पास मुद्रित क्रमांकित पंचनामों का उपयोग करने की कोई व्यवस्था नहीं पाई गई। विभाग के लोग हाथ से क्रमांक लिख कर पंचनामे तैयार करते हैं। जिन थोड़ी सी जगहों की सीएजी ने जांच की वहां भी 511 पंचनामों को डीएमजीओएमएस पर अपलोड नहीं किया गया पाया गया। उच्च अधिकारियों ने खुद आगे बढ़ कर निगाह रखने की कोई ज़हमत नहीं उठाई। इसके अलावा 28 मामलों में 14.20 करोड़ रुपये के संबंध में अवैध खनन के स्रोतों या स्थलों की जांच ही नहीं की गई। रिपोर्ट से पता चलता है कि विभाग के कर्मी रॉयल्टी तय करने में भी घोर लापरवाही बरतते हैं। जांच में 28 प्रकरणों में रॉयल्टी, खनिज की कीमत तथा कंपाउंड शुल्क की 14.20 करोड़ की राशि का गलत निर्धारण होना पाया गया। खनन पट्टेदार अपने उत्खनित तथा बाहर भेजे गए खनिज की सूचना देने वाली जो वार्षिक और मासिक रिटर्न भरते हैं उनकी निगरानी करने में भी विभाग उदासीन पाया गया। आश्चर्य की बात है कि डीलरों के स्टॉक से रॉयल्टी भुगतान के लिए खनिज कितना बाहर जा रहा है उसकी जांच के लिए कोई विवरणी ही निर्धारित नहीं है। इसके अलावा खदान अनुज्ञप्त धारकों द्वारा किए गए खनिजों की निर्गमन की जांच का कोई तंत्र इस विभाग के पास नहीं है।

हम जानते हैं कि समूची अरावली पर्वतमाला साफ हो जाती यदि देश की सर्वोच्च अदालत कड़ाई से सरकारों को होश में नहीं लाती और उन्हें गैरकानूनी खनन को रोकने के लिए मजबूर न करती। यह ऑडिट रिपोर्ट अब सार्वजनिक है जो आंखें खोल देने वाली है। मगर क्या इससे शासन में बैठे लोगों की आंखें खुलेगी, यह सौ टके का सवाल है।

अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा ऐसी चोरी से होने वाले सरकारी राजस्व के नुकसान को रोकने के लिए विभाग में एक सतर्कता शाखा भी काम करती है। इस शाखा के कार्यालयों ने चार सालों में 956 प्रकरणों की पहचान की, जबकि समान क्षेत्राधिकार वाले खंड कार्यालयों ने अपने नियमित कामों के अलावा अवैध खनन गतिविधियों के 2,434 प्रकरणों की पहचान की। इससे सतर्कता शाखा के हाल का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट की टिप्पणी है कि अवैध खनन गतिविधियों का पता लगाने के लिए इस विशेष शाखा की स्थापना का उद्देश्य एक हद तक विफल रहा है। अवैध खनन की गतिविधियों का पता लगाने के लिए अब आधुनिक प्रौद्योगिकी हमारे हाथ में होते हुए भी सरकार मूक दर्शक बनी रहे इससे दर्दनाक बात और क्या हो सकती है। खनन माफिया को जड़ से खत्म कर देने और माफिया तथा सरकारी कारिंदों के बीच काले पैसों का खेल रोक पाने में सरकारें बेबस नज़र आती हैं शायद इसलिए कि राजनीति के खिलाड़ी जो जनसेवा का चेहरा लिए घूमते हैं वे इसके पोषक हैं। वरना खंड कार्यालयों एवं सतर्कता कार्यालयों के अधिकारियों को सौंपे गए कर्तव्यों की नियमित समीक्षा खनिज विभाग का मंत्री क्यों नहीं करता। जनता का प्रतिनिधि होने के नाते विभाग के मंत्री का यह फर्ज बनता है कि वह अपने विभाग में जनता का हित देखे न कि आंखें मूंदी रख कर खनन माफिया और काम-चोर अफसरों और कर्मचारियों को खेल करने दे। हम जानते हैं कि समूची अरावली पर्वतमाला साफ हो जाती यदि देश की सर्वोच्च अदालत कड़ाई से सरकारों को होश में नहीं लाती और उन्हें गैरकानूनी खनन को रोकने के लिए मजबूर न करती। यह ऑडिट रिपोर्ट अब सार्वजनिक है जो आंखें खोल देने वाली है। मगर क्या इससे शासन में बैठे लोगों की आंखें खुलेगी, यह सौ टके का सवाल है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

कविता विकल्प की विधा : वाजपेयी

उदयपुर। नन्द चतुर्वेदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन की ओर से आंठवा नन्द चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान आयोजित किया गया, कार्यक्रम का प्रारम्भ अतिथियों क पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया, अतिथियों के स्वागत हेतु अनुराग चतुर्वेदी ने स्वागत उद्बोधन दिया, साथ ही अतिथियों का परिचय देते हुए अशोक वाजपेयी की दो प्रसिद्ध कविताओं से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया आपने कहा कि अशोक जी निर्भीक कवि है जिनकी निष्पक्षता उल्लेखनीय है आपने कहा कि नन्द जी को भी ओम थानवी पसंद थे, ओम थानवी जी को वे अपनी पहली कविता भेजते थे, पत्रकारिता मे आपका विशेष योग रहता है। आपने कहा कि माधव हाड़ा चमकते सितारे हैं वे प्रख्यात आलोचक है। पल्लव हिन्दू कॉलेज मे प्रोफ्रेसर है और ये इनका जादुई चमत्कार है कि दिल्ली जाकर आपने अपना स्थान बनाया है।

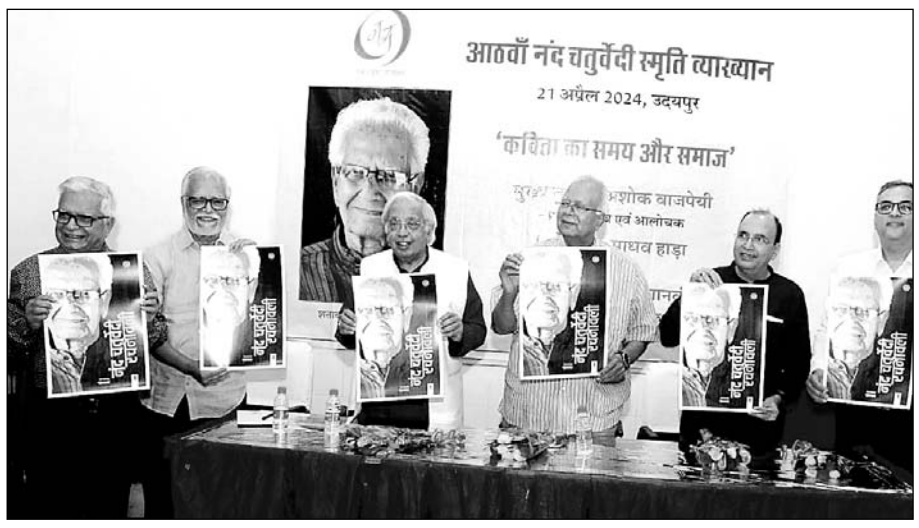

कार्यक्रम में रचानवली के आवरण का विमोचन किया गया। रचनावली के संपादक आलोचक पल्लव ने नन्द बाबू की कविता के अंश सुनाते हुए कहा कि नन्द बाबू ने हमारे लिए समृद्ध विरासत छोडी है। उन्होंने कहा कि नन्द बाबू में पिछली पीढ़ी को याद करने और आदर देने का गहरा जज़्बा था, जिन्हें सब भूल जाते हैं नन्द बाबू उन्हें कविता में स्थान देते हैं चार खंडो की रचनावली का परिचय देते हुए उन्होंने बताया कि पहले खंड में कविता, दूसरे खंड में वैचारिक गद्य, तीसरे खंड मे नन्द बाबू के संस्मरण एवं चौथे खंड मे अनुवाद होंगे।

मुख्य वक्ता अशोक वाजपेयी ने कविता का समय और समाज विषय पर स्मृति व्याख्यान दिया आपने कहा कि नन्द बाबू सादगी वाले और पारदर्शी व्यक्तित्व वाले थे, उनकी सादगी मे सुंदरता और संघर्ष दोनों है उनकी कविता मे उत्सव भी है और कौतुभ भी, नन्द बाबू ने उत्सव की तरह मुक्तिदाई पद का प्रयोग भी किया है, अम्लान रोशनी उनकी कविता में है। नन्द जी के संस्मरणों में भी सौम्यता व सुंदरता ढूंढ लेते थे। नन्द बाबू प्रियदर्शी, स्वप्नदर्शी व समयदर्शी थे। उन्होंने कठिन से कठिन समय में सपने देखने की ताव रखी कवि होने का प्रतिमान है कि उसमें जीजीविषा भी हों नन्द बाबू में ये है, उनकी सामाजिकता भी सौम्य थी, यह उनकी कविताओं में स्वयं नन्द बाबू ने कहा है। आपने कहा कि नंद बाबू कि रचना के शीर्षक ही पढ़ ले तो पाठक जान जायेगा कि वे क्या थे। आज के समय के विषय में आपने कहा कि राजनीति की सर्वग्रासिता से धर्मों का अध:पतन, विद्रुपन हो रहा है। मंदिर व्यापारिक गतिविधि बन गए है, आज झूठ, नफरत, हिंसा, हत्या, लवजीहाद का बुलडोजीकरण हो रहा है। सच आज अल्पसंख्यक है आज का समय स्मृति के क्षरण का समय है। निडर होने के लिए कितना डरना पड़ता है ये नन्द बाबू ने अपनी कविता में कहा है–आज ज्ञान का दैनिक अपमान व अज्ञान का महिमामंडन होता है। आज मीडिया सत्ता से प्रश्न नहीं पूछता, विपक्ष से प्रश्न पूछता है। समाज के विषय में वाजपेयी जी ने कहा कि आज का सबसे हिंसक समाज हिन्दी का समाज है। इस समाज की सहज मानवीयता क्षिरत हो रही है। हिन्दी समाज बेरोजगारी, बेकारी अशिक्षा में आगे हैं, इसमें भी मध्यवर्ग मातृभाषा से दूर होता जा रहा है।

वाजपेयी ने कहा कि हिन्दी समाज का एक प्रतिशत ही साहित्य पढ़ता होगा। हिन्दी समाज पुस्तकों, लेखकों से मुँह फेरे हुए है। हिन्दी समाज सांस्कृतिक विपन्न हो गया है। हिन्दी केवल अभिव्यक्ति और सृजन की भाषा रह गयी है। साहित्य सम्बन्धी संस्थाओ को भी नष्ट कर दिया गया है, पुस्तकालय सुने है, मंदिरों में भीड़ है। हिन्दी लिखने और बोलने वाले लोग भी पुरातत्विक हो गए है। ऐसे समाज में नन्द बाबू का होना अद्भुत है, ऐसे समाज में रहकर भी कविता के समय और समाज पर कहना अदभुत है। हिन्दी में कविता लिखना आज फिजूल मना जाता है, कविता में रुचि का तेजी से ह्रास हो रहा है हिन्दी में कायदे से कविता लिखना गैरकानूनी है। कविता भाषा में लिखी जाती है जो हमारा सामाजिक उत्तराधिकार है। कविता हर समय में संभव है, कविता भाषा का रूपयान भी करती है और संभावना भी व्यक्त करती है, कविता याद को बचाने का काम करती है। उदयपुर के समाज की नन्द बाबू की कविता के प्रति क्या जिम्मेदारी है इस प्रश्न पर कहा कि सब जिम्मेदारी कवि की ही नहीं होती पाठक की भी होती है। कविता जो हो रहा है वह भी और जो नहीं हो रहा उसे भी कहती है, कविता चतुर चालाक जानवर है सब पर नज़र रखती है, कविता बहुलता की पोषक है कविता विकल्प की विधा है, विकल्प की कल्पना की जा सकती है। सपना ना देखना कविता का अपमान होगा। हिन्दी कविता समाज दर्पण नहीं समाज का नैतिक व राजनैतिक पक्ष है। प्रसिद्ध आलोचक प्रो. माधव हाड़ा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि कविता का समय से सम्बन्ध महत्वपूर्ण है। नन्द बाबू कि कविता मे समय पारदर्शी है, आपने नन्द बाबू की कविता का पाठ करते हुए कहा कि नन्द बाबू की कविता जीवन के राग की कविता है, जीवन का अभाव उनकी कविता मे है जीवन का राग पक्ष उनकी कविता मे है, नन्द बाबू की सबसे महत्वपूर्ण कविता है-शरीर डॉ. हाड़ा का कहना है कि मुझमें जो थोड़ा बहुत आत्मविश्वास है वह नन्द बाबू कि देन है।

अध्यक्षता कर रहे ओम थानवी ने कहा कि मुझ पर नन्द बाबू का स्नेह काफ़ी था। नन्द बाबू मुझे चिट्ठियां लिखते थे जिन्हे मैंने संभाल रखा है, उनमे से कुछ चिट्ठियों का वाचन कर कहा कि वे समय के यथार्थ की बाते कहते थे। वे पत्रकारिता पर भी कुछ ना कुछ लिखा करते थे, जो उन्हें सही नहीं लगता उसको भी वे कहा देते थे। वे हमेशा बताते थे कि कहाँ आप भावुक हो रहे है, आपकी जो जिम्मेदारी है उसमे ज्यादा भावुकता का स्थान नहीं। उन्होंने कहा कि लेखक आज चुप है जिन्हे कहना चाहिए वे आज चुप है, डरे हुए है ऐसे समय मे नन्द बाबू को पढ़ने की आवश्यकता है, ख़ासतौर पर तब जब हम संकट के समय से गुजर रहे हो।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने किया साथ ही कार्यक्रम मे उपस्थित सभी श्रोताओ और वक्ताओ का अपनी और फाउंडेशन की और से धन्यवाद ज्ञापित किया।

–सुयश चतुर्वेदी,
नंद चतुर्वेदी फाउंडेशन,
उदयपुर

आजादी के 78 साल बाद भी मूलभूत सुविधायें नहीं पहुंचने से मतदाताओं में नाराजगी

- **खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के राउमावि. फलांवाली के बूथ पर 675 वोटों में से महज पांच वोट ही पोल हुए**
- **बराला गांव के बूथ पर 91.12 फीसदी वोट पड़े, ज्यादा मतदान की वजह गांव का शत-प्रतिशत शिक्षित होना प्रमुख रहा**

बीकानेर, (निसं)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कम मतदान को लेकर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से लेकर जिलों के निर्वाचन अधिकारी तक जिस सवाल का जवाब तलाश रहे हैं, उसका जवाब बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में मिल सकता है। इस विधानसभा क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में बीकानेर लोकसभा सीट का न्यूनतम और सर्वाधिक मतदान दर्ज हुआ है। न्यूनतम मतदान वाले फलांवाली गांव के बूथ पर जहां एक फीसदी से भी कम यानी 0.74 प्रतिशत मत पड़े, तो वहीं इसी वि.स. क्षेत्र के बराला गांव के बूथ पर 91.12 फीसदी वोट पड़ गए। जहां तक कम मतदान की बात है, तो आजादी के 78 साल बाद भी यहां सड़क, बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का न होना मुख्य कारण माना जा रहा है, जो इस बार विस्फोटक रूप से सामने आ गया।

वहीं ज्यादा मतदान की वजह गांव का शत-प्रतिशत शिक्षित होना प्रमुख रहा। लोग सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के प्रति जागरूक रहे। शासन-प्रशासन के तालमेल से इलाके का विकास हुआ। मूलभूत सुविधाओं पर काम हुआ। नतीजा यह हुआ कि यहां लोकतंत्र में लोगों की आस्था बढ़ी। पहले विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक मतदान की होड़ रही। अब लोकसभा चुनाव में भी यही नजारा दिखा। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के राउमावि. फलांवाली के बूथ पर 675 वोटों में से महज पांच वोट ही पोल हुए, जबकि राउमावि बराला के बूथ पर 473 में से 431 वोट पोल हुए। कम मतदान में दूसरे नम्बर पर लूणकरनसर के धीरेरां स्टेशन का बूथ रहा। यहां पर 714 में से 34 वोट ही पड़े। मतदान का प्रतिशत 4.76 रहा।

भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल के मतदान केन्द्र बीकानेर पूर्व विधानसभा के राउमावि किशमीदेसर में 76.60 फीसदी मतदान हुआ। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी गोविन्दराम मेघवाल के मतदान केन्द्र खाजूवाला विधानसभा के राउमावि पूगल में 64.69 प्रतिशत मतदान हुआ है। खाजूवाला क्षेत्र के गांव फलांवाली तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं है। बिजली की आपूर्ति नहीं होती। ग्रामीणों को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा। परेशान ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव में मतदान न करने की ठानी और मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंचे। प्रशासन ने यहां समझाइश कर पांच वोट तो डलवा लिए, लेकिन बुरी तरह त्रस्त ग्रामीणों ने एक तरह से मतदान का बहिष्कार ही रखा। गांव के सरपंच बजरंग सिंह के शब्दों में आजादी के 78 साल बाद भी कच्चा रास्ता, शिक्षा, बिजली, पीने के पानी की व्यवस्था गांव तक नहीं पहुंचने से ग्रामीणों का नेताओं पर से भरोसा ही उठ गया।

खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के बराला का बूथ विधानसभा चुनाव के दौरान भी सर्वाधिक मतदान कर प्रथम स्थान पर रहा। सरपंच गिरधारीलाल के मुताबिक, शत-प्रतिशत शिक्षित ग्रामीणों वाले इस गांव के लोगों में सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता है। गांव में लगातार विकास के काम हुए हैं। यही वजह है कि अब लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक मतदान किया।

फुलेरा जंक्शन पर पुलिया टूटने से रेल यात्री परेशान

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर अव्यवस्थाओं की भरमार देखने को मिल रही है। इसके अंतर्गत प्लेटफार्म पर आवारा कुत्तों, पशुओं का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसके अलावा वहीं रेलयात्री प्लेटफार्म पर खड़ी ट्रेनों के नीचे से जान जोखिम में डालकर रेलवे स्टेशन पहुंच रहे हैं। वहीं जंक्शन पर पूर्व में पुरानी पुलिया थी उसको भी प्रशासन द्वारा तोड़ दी गई। इसकी जगह नई पुलिया बनने का प्रावधान है लेकिन नई पुलिया बनने में अभी काफी समय लगेगा। क्योंकि अभी तो पुरानी पुलिया भी पूरी नहीं तोड़ी गई है। वो भी अधरझूल में है। नई पुलिया बनेगी जब तक रेल यात्रियों, बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन द्वारा रेलवे स्टेशन के अन्तिम छोर में बनाया गया ओवरब्रिज भी काफी ऊंचा होने के कारण बुजुर्गों को यहां से आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके चलते यहां एस्केलेटर या लिफ्ट लगे तो जरूर इनको राहत मिल सकती है लेकिन अभी वर्तमान में स्थिति काफी दयनीय है। जबकि फुलेरा से प्रतिदिन 15 हजार से अधिक दैनिक रेलयात्री अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए जयपुर एवं अजमेर सहित अन्य स्थानों के लिए अप-डाउन करते हैं। कई बार तो ओवरब्रिज होकर जाते जाते इनकी ट्रेन भी छूट जाती है।

फुलेरा जंक्शन पर रेलयात्री जान जोखिम में डालकर रेलवे स्टेशन पहुंच रहे हैं।

राशिफल बुधवार 24 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र रात्रि 12:41 तक, सिद्धि योग गुरूवार प्रात: 5:05 तक, बालव करण सांय 6:02 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

कुमार योग आज रात्रि 12:41 से सूर्योदय तक है। आज अश्विनी मेष रात्रि 11:58 पर प्रवेश करेगा। आज एकलिंग पाटोत्सव है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:12 तक, शुभ 10:48 से 12:25 तक, चर 3:38 से 5:15 तक, लाभ 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 6:52

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न होंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

एक साथ 27 अधिकारी स्कूलों में पहुंचे, मतदान के लिए जागरूक किया

विद्यार्थियों को परिवार जनों के मतदान कराने का संकल्प दिलाया

अजमेर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद तथा स्वीप नोडल अधिकारी अभिषेक खन्ना के निर्देशन में नवाचार करते हुए लोकसभा चुनाव मे शहरी क्षेत्रों में अधिकाधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के अभिभावकों का मतदान सुनिश्चित करने के लिए 27 प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मंगलवार को 27 निजी विद्यालयों की प्रार्थना सभा में प्रातः 7 से 10 बजे के मध्य जाकर 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों से वोटिंग अपील करते हुए संवाद स्थापित किया गया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खन्ना ने बताया कि अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए समस्त विद्यार्थियों को मतदान दिवस 26 अप्रैल को अपने परिवार के सभी मतदाता सदस्यों को वोट के लिए आग्रह करने को कहा गया।

27 प्रशासनिक अधिकारियों ने 27 निजी विद्यालयों की प्रार्थना सभा में जाकर विद्यार्थियों को मतदान की शपथ दिलाई।

संस्था प्रधान विद्यार्थियों के अभिभावकों से वोटिंग अपील का 30 सेकण्ड का वीडियो बनाकर कक्षा के व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर करेंगे। मतदान के पश्चात विद्यार्थी अपने परिवारजन के साथ अमिट स्याही लगी हुई अंगुली का प्रदर्शन करते हुए ग्रुप फोटो कक्षा के ग्रुप में भेजेंगे। वह ऑनलाइन मेरी शान मेरा मतदान मतदाता जागरूकता के लिए ऑनलाइन वोटिंग फिंगर ग्रुप फोटो आयोजित प्रतियोगिता में भी भाग लेंगे। संबंधित अधिकारीयों ने वोटर आईडी ना होने की स्थिति में अन्य वैकल्पिक फोटो युक्त 12 दस्तावेजों की जानकारी एवं ऑनलाइन प्रतियोगिता की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत किए गए इस नवाचार में मंगलवार को अजमेर के 27 निजी विद्यालयों में 27 प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों के माध्यम से अभिभावकों से वोट अपील की गई। इसमें सेंट मैरी कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नगर निगम के उपायुक्त प्रशासन राजलक्ष्मी गहलोत, सोफिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उपायुक्त नगर निगम विकास सुश्री कीर्ति कुमावत, ऑल सेंट्स स्कूल में अजमेर विकास प्राधिकरण उपायुक्त श्री भरत राज गुर्जर, सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उपयुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण श्री सूर्यकांत शर्मा, सेंट जोसेफ बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय एवं जिला रसद अधिकारी ज्योति ककवानी ने जागरूक किया।

कंट्रोल रूम पर सेवा देने हेतु नियुक्ति

ब्यावर, (निसं) भाजपा अजमेर देहात जिला अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा के निर्देशानुसार विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक यज्ञेश शर्मा ने अजमेर देहात की सभी विधानसभाओं में लोकसभा चुनाव के अंतर्गत 26 अप्रैल को मतदान के दिवस अधिवक्तागणों के भाजपा के विधान सभावार कंट्रोल रूम पर सेवा देने हेतु नियुक्ति की गई है।

जिला मीडिया प्रभारी जितेन्द्र ठठेरा ने बताया कि अजमेर देहात विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक यज्ञेश शर्मा ने अजमेर देहात की पांचो विधानसभा में से ब्यावर विधानसभा के कंट्रोल रूम पर अधिवक्ता चन्द्रविजय राठौड़, रमेश जांगिड़, मुकेश जटिया, शिवदास राठौड़, सुरेन्द्र चनीया, इसी प्रकार से मसूदा विधानसभा में सतीश व्यास, वीरेंद्रसिंह राठौड़, श्याम प्रताप सिंह, पूनमचंद शर्मा, महेंद्र उपाध्याय और नसीराबाद विधानसभा में ललित मेहरा, जितेंद्र गुर्जर, रणजीत सिंह रावत, रविंद्र शर्मा, नरपत सिंह और केकड़ी विधानसभा में घनश्याम वैष्णव, निरंजन चौधरी, गजेंद्र पाराशर, प्रहलाद माली, सत्यभवर बन्ना और पुष्कर विधानसभा में मदन सांखला, बाबूलाल शर्मा, शंकरलाल मेघवंशी व लक्ष्मीकांत पाराशर अधिवक्ता चुनाव मतदान के दिन भाजपा कंट्रोल रूम पर 26 अप्रैल 2024 को सुबह से शाम तक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

सार-समाचार

कपड़े की थैली का विमोचन

मकराना, (नीस)। कपड़े की थैली मेरी सहेली, अभियान के अंतर गत मंगलवार को महावीर इंटरनेशन राज श्रीवीरा केंद्र मकराना द्वारा पृथ्वी को स्वर्ग बनाना है,विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में मकराना नगर परिषद के एईएन सहदेव कुमार सबल और ओ.एस अशफाक ने कपड़े की थैली का विमोचन किया और प्लास्टिक के उपयोग को लेकर जागरूकता एवं सतर्कता बेहद जरुरी है धरती से प्लास्टिक हटाना है प्लास्टिक से पर्यावरण को खतरा है गौ माता को भी खतरा है हमें प्लास्टिक की थैली को पुरी तरह हटाके कपड़े की थैली का उपयोग करना हे लोगो में जागरूकता लाने के लिए आयोजन कर आमजन को प्रेरित करने का बिडा उठाया।इस अवसर पर अध्यक्ष विजया बाफना सचिव कल्पना जैन सुसीला गोदा शशी लड्ढा मिनाक्षी बंसल कांता भंडारी आदि वीरा मोजूद रही ।

स्वीप रथ को किया रवाना

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्रा के स्वीप रथ को रवाना किया गया। स्वीप प्रभारी श्रीमती वीणा अग्रावत ने बताया कि लोकसभा चुनाव के इस पर्व को साकार करने के लिए 26 अप्रैल को मतदान करें। इसकी अपील को लेकर मंगलवार को गली गली वोट की थीम पर एसडीएम अजमेर शिवाक्षी खांडल के निर्देशानुसार स्वीप रथ को सजा धजाकर तहसीलदार विपुल सिंह एवं द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्रा के समस्त कर्मचारियों के साथ स्वीप टीम सदस्य राम किशोर तिवारी, संजय मुद्गल, सीमा शर्मा, संतोष मीणा, परमेश्वर रावत, कमलेश शर्मा, रश्मि शर्मा उपस्थित रहे।

पेयजल आपूर्ति की मांग

अजमेर, (कासं)। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष महेन्द्र बंसल और महासंघ रमेश लालवानी के नेतृत्व में मंगलवार को बैठक आयोजित कर स्मार्ट सिटी कहलाने वाले अजमेर में पेयजल के अनेक दावों के बावजूद पेयजल की उचित दबाव पर आपूर्ति नहीं किये जाने तीन से चार दिनों और अधिक समय के अन्तराल के बाद पेयजल की आपूर्ति पर रोष प्रकट जताया और प्रस्ताव बनाकर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और पीएचईडी के शासन सचिव डॉ.समित शर्मा को भेज कर गर्मी के मौसम और त्योंहरों के मद्देनजर शहर में नियमित व उचित दबाव पर पेयजल आपूर्ति की मांग की है।

चुनाव के अन्तिम 48 घंटे के लिए धारा 144 लागू

अजमेर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 की निर्वाचन प्रक्रिया के निष्पक्ष एवं स्वतन्त्रा सम्पादन के लिए धारा 144 लगाई गई है।

जिला मजिस्ट्रेट डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि जिले में लोकसभा आम चुनाव 2024 शुकवार को होने जा रहे है। मतदान के अन्तिम 48 घंटे पहले निर्वाचन तन्त्रा के लिए, न केवल निर्वाचन के दिन योजना के परिपेक्ष से, बल्कि स्वतन्त्रा एवं निष्पक्ष मतदान के लिए कानून और व्यवस्था तथा अनुकुल वातावरण के निर्माण के दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। लोक प्रतिनिधित्वि अधिनियम 1951 के तहत मतदान के समापन के लिए नियत समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटों की पूर्व अवधि सम्मिलित होती है जब सार्वजनिक सभाओं आदि के माध्यम से सभी निर्वाचन प्रचार क्रियाकल्प रोक दिए जाते है। मतदानबद्ध क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता है। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई अवांछित तत्व गैरकानूनी एवं अवैधानिक गतिविधियों जैसे की राजनैतिक लाभ हासिल करने के लिए मतदताओं को अनावश्यक रूप से प्रेरित करने और प्रभावित करने के लिए नकद, उपहार शराब आदि के अवैध वितरण आदि में शामिल न हो पाए। अतः अजमेर जिले में स्वतन्त्रा, निष्पक्ष एवं भय मुक्त मतदान सम्पन्न कराने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आदेश जारी किए गए है।

उन्होंने बताया कि दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अधीन मतदान के समापन के 48 घंटे पूर्व बुधवार सायं 6 बजे से शुक्रवार को मतदान समाप्ति तक की अवधि के दौरान गैर कानूनी सभाओं पर प्रतिबन्ध और सार्वजनिक बैठकों पर रोक रहेगी।

दो लाख रुपए की नगदी चोरी

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में स्थित एक स्क्रैप के गोदाम में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात अंजाम देते हुए गोदाम में बने ऑफिस का कांच तोडक़र अलमारी में रखी 2 लाख रुपए नगदी चोरी कर फरार हो गए। गोदाम मालिक ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

महावीर नगर केसरगंज निवासी श्रेयांश जैन पुत्र स्वर्गीय सुनील ने अलवर गेट थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में जैन ने बताया कि उनका स्क्रैप का गोदाम है। बीती रात अज्ञात चोरों ने गोदाम में धावा बोलते हुए चोरी की वारदात अंजाम दे डाली। चोर गोदाम में बने ऑफिस का कांच तोडक़र अलमारी में 2 लाख रुपए नगदी चोरी कर फरार हो गए। चोरों ने गोदाम में घुसने से पहले सीसीटीवी कैमरों की दिशा भी बदल दी। पुलिस ने पीडित् गोदाम मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महेश पट्टिका का अनावरण

माहेश्वरी पंचायत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जय महेश पट्टिका का अनावरण किया गया।

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी पंचायत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जय महेश पट्टिका का अनावरण विराट नगर में किया गया। सभा अध्यक्ष धर्मेंद्र कांकाणी व संस्था अध्यक्ष रामनारायण झंवर ने बताया की प्रत्येक माहेश्वरी परिवारो के निवास पर पट्टिका लगाई जायेगी। महेश पट्टिका लगाने की विधिवत शुरूआत विराटनगर में की गई, महेश नवमी महोत्सव से पूर्व कार्य सम्पन्न किये जाने का लक्ष्य तय किया है। प्रवक्ता सुरेश शारदा नें बताया की अनावरण समारोह में भवन प्रबन्धक विष्णुचरण हेडा, मंत्री अनिल बियाणी, मुकुटबिहारी मालपानी, अश्वनी कुमार काबरा, सुनील मालपानी, पदम मनिहार, सत्यप्रकाश काबरा, राकेश ईनाणी, ओमप्रकाश भांगड़िया, अक्षय जैथलिया, हरिप्रसाद जैथलिया, योगेश भूतडा सहित समाजबंधु उपस्थित रहे।

लंगर प्रसादी का आयोजन

अजमेर, (कासं)। पूज्य झरनेश्वर महादेव मन्दिर सिन्धी मंडल के तत्वावधान में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक नारी भाई देवानी और उपाध्यक्ष शंकर भाई छत्तानी के नेतृत्व में लंगर प्रसादी भण्डारे का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष शंकर छत्तानी ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के कारण मन्दिर परिसर में हनुमान जी और अन्य देवताओं की प्रतिमा और झरनेश्वर महादेव की प्रतिमा पर प्रसाद भोजन का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूज्य झूलेलाल साहिब के बहिराणे की मंडली के गायक कलाकारो ने हनुमानजी और अनेक भजन एवं गीत सुनाकर मन्दिर में वातावरण को माता मय ,वं झरनेश्वर मय बना दिया। पूजन करके पूज्य झरनेश्वर महादेव सिन्धी मण्डल के तत्वावधान में बैठकर खिलाने का वितरण करवाया गया। महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि झरनेश्वर महादेव मन्दिर के भगवान हरवानी,प्रकाश अगन छबलानी,महेश वरलानी, मोहित छत्तानी सहित अन्य के द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।

नाम/जन्मतिथि परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम पुरुषोत्तम बदलानी तथा जन्म दिनांक 5/8/2000 दर्ज है जो कि गलत है, अब मैं अपने आधारकार्ड के अनुरूप, अपने पासपोर्ट में भी पिता का नाम श्री पवन बदलानी एवम जन्म दिनांक 5/8/1999 दर्ज करवाना चाहता हूं।

अमित बदलानी
पुत्र श्री पवन बदलानी,
21/49 ए, गौरी नगर,
वैशाली नगर, अजमेर।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप. मुख्य बिजली इंजी. (कारखाना), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निचे दिए गए कार्य के लिए दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. निविदा संख्या: EL/50/12/2023-24RT 2. कार्य का नाम व स्थान:** Augmentation and improvement of Existing power supply network including replacement of overaged and condition basis cabling / over head network at Ajmer group of workshop. **3. अनुमानित लागत:** Rs. 3152733.23 **4. बयाना राशि:** Rs. 63100.00 **5. ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय ई-निविदा खोलने की तारीख एवं समय:** 10.05.2024 at 15.00 Hrs. एवं 10.05.2024 at 15.30 Hrs. **6. वेबसाइट का ब्यौरा, जहां से ई-निविदा कि पूर्ण जानकारी प्राप्त कि जा सकती है I: www.ireps.gov.in**

483-AC/24

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सपने नहीं, हकीकत बुनते हैं : अपूर्वा सिंह

भाजपा महिला मोर्चा मदनगंज किशनगढ़ ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में देवरानी-जेठानी सम्मेलन आयोजित किया

किशनगढ़, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा मदनगंज किशनगढ़ द्वारा अजमेर लोकसभा क्षेत्र प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के समर्थन में महेश्वरी पंचायत भवन तेली मोहल्ला में देवरानी जेठानी महिला सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 51 देवरानी जेठानी भारतीय जनता पार्टी में नई जुड़ी व संकल्प लिया।

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता अपूर्वा सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना उदबोधन देते हुये कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ने प्रत्येक नागरिक को अपना परिवार माना है महिलाओं की समस्याओं के निवारण के लिये हमेशा आगे रहते है । उन्होंने महिलाओं के जीवन में आने वाली समस्याओं के लिये हमेशा नवीन योजानाये लाकर धरातल पर उतारने का कार्य सांसदो के माध्यम से किया है । प्रधानमंत्री मोदी सपने नही बुनते हकीकत बुनते है इसलिये सभी मोदी को चुनते है। पिछले 70-75 सालों से महिलाओं के शौचालयों की समस्या को निदान करते हुये उन्हे छत उपलब्ध कराई है जो महिलाये गांव के दूर-दराज में रहने वाली महिलाओ जो चुल्हे के धुये से अपना जीवन समाप्त कर लेती थी उनके लिये उज्वला योजना के तहत गैस उपलब्ध कराकर उसके स्वास्थ्य के साथ उसके समय की बचत की है जिससे वह अपने परिवार को समय दे सकती है। महिलायें कुओं से पानी लेने जाती थी अब ऐसे कार्य हो रहे है जिससें हर घर में नल लगे इन पर कार्य जारी है जो आने वाले समय में पुरा धरातल पर उतर जायेगा। महिलाओं सशक्त करने के लिये महिला आरक्षण पर भी सरकार का सकारात्मक रवैया है ।

महिला मोर्चा अध्यक्ष संतोष पारिक ने बताया कि प्रदेश महिला उपाध्यक्ष वनिता जैमन ने मोदी सरकार की मातृ शक्ति की योजनाओं से अवगत करवाया महिलाओ ने संकल्प लेकर आहवान किया कि अबकी बार 400 पार करके रहेगी , फिर एक बार मोदी सरकार लाकर रहेगी।

जेएलएन हॉस्पिटल क्विज प्रतियोगिता में द्वितीय रहा

अजमेर, (कासं)। श्वसन रोग विभाग जेएलएन चिकित्सालय की ओर से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की गई है। देशव्यापी स्तर पर नई दिल्ली में आयोजित दूसरे वार्षिक ब्रोन्कोपल्मोनरी विश्व कांग्रेस के दौरान क्विज में दूसरा स्थान प्राप्त किया गया।

इसके आयोजक यूनाइटेड अकैडमी ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन थे। प्रशस्ति पत्रा अमेरिका के विख्यात स्वैश रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल मेहता द्वारा दिया गया। डॉ. नीरज गुप्ता ने बताया कि इस वार्षिक ब्रोन्कोपल्मोनरी विश्व कांग्रेस में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के व्याख्यान भी शामिल थे। क्विज को दो सत्रों में आयोजित किया गया था। इसमें भारत के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों की 12 टीमों ने भाग लिया। पहले दौर में से 4 टीमें अंतिम दौर के लिए चयनित की गईं। उन्होंने बताया कि अंत में एसजीपीजीआई लखनऊ पहले स्थान पर रही। जेएलएन अजमेर दूसरे स्थान पर और दिल्ली के सेना अस्पताल तीसरे स्थान पर आई। गौरतलब है की वीएमएमसी सफदरजंग दिल्ली, एसएमएस जयपुर, एम्स ऋषिकेश, एम्स भोपाल, गंगाराम अस्पताल जैसे अन्य प्रसिद्ध मेडिकल कॉलेज की टीमों ने भी प्रश्नोत्तरी में भाग लिया था। जेएलएन अजमेर की टीम में श्वसन रोग विभाग के रेसिडेंट चिकित्सक डॉ. प्रखर महेश्वरी और डॉ. पल्लवी पिल्लई शामिल थीं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी मौसा को 20 साल की सजा

49 हजार रुपए का लगाया अर्थ दंड

अजमेर, (कासं)। 16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी मौसा को विशेष न्यायालय संख्या-1 पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश ने 20 साल की सजा सुनाते हुए 49 हजार के अर्थ दंड से भी दंडित किया। न्यायाधीश ने मामले में सख्त टिप्पणी भी करते हुए कहा, जहां नाबालिग बच्चे अपने परिचित, रिश्तेदार-नातेदार पर अटूट विश्वास करते हैं और वही रिश्तेदार नाबालिग के साथ दुष्कर्म करते हैं, तो उस नाबालिग बालिका के बाल मन व उसकी मनोदशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

विशेष न्यायालय संख्या-2 पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक रूपेंद्र परिहार ने बताया कि परिवादी ने 16 जुलाई 2023 को पुलिस थाना बोराडा जिला केकड़ी में उपस्थित होकर एक रिपोर्ट इस आश्य की दर्ज कराई की रात्रि में अपने परिवार सहित जागरण में गए हुए थे, वहा से लगभग 10:25 पर घर आए तो देखा कि पुत्री घर पर नहीं थी पत्नी से पूछा तो उसने बताया कि थोड़ी देर पहले यही सो रही थी तो हमने आस पास ढूंढा तो नहीं मिली। मेरी पुत्री ने लाल रंग के घाघरा लुगड़ी पहन रखी थी उसे ढूंढकर मुझे दिलवायी आए जिस पर पुलिस थाना बोराडा ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

विशिष्ट लोक परिहार ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि पीडिता को उसका रिश्तेदार बहला फुसलाकर भगा कर ले गया, पुलिस ने पीडिता को 8 अगस्त 2023 को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर अभियुक्त के विरूद्ध पोक्सो एक्ट में जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर न्यायालय में समक्ष आरोप पत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ठ लोक अभियोजक रूपेन्द्र कुमार परिहार ने 11 गवाह तथा 27 दस्तावेज पेश किए गए, जिस पर न्यायालय के न्यायाधीश ने गंभीर प्रकृति का अपराध मनाते हुए है 20 साल की सजा सुनाते हुए 49 हजार के अर्थ दंड से भी दंडित करने की सजा सुनाई।

मतदान हेतु जागरूकता किया

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर में स्वीप के तत्वावधान में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव में मतदान हेतु जागरूकता के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रभारी डॉ. रीना व्यास ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत मतदान हेतु विभिन्न स्लोगन लिखे हुए मतदान सूत्र प्राचार्य डॉ.मनोज कुमार बहरवाल, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थियों के बांधे गए।

संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई

प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, भजन कीर्तन, प्रवचन सहित कई कार्यक्रम हुए

ब्यावर (निसं) दर्जी समाज के आराध्य संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की जयंती मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, भजन कीर्तन, प्रवचन सहित कई कार्यक्रम हुए। जिनमे समाज बंधुओ ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

पीपानन्दाचार्य जयंती के अवसर पर मंगलवार सुबह नेहरू गेट कोट गली स्थित समाज के द्वारकाधीश मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कर पीपा जी की महाआरती की गई। दोपहर बाद मारवाड़ी पंचायती भवन में भजन कीर्तन का कार्यक्रम शुरू हूआ। इसमें गायक कलाकार बाबूलाल सोलंकी ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने मंदिरये रम जा ए भवानी,म्हारे आंगनिया रम जा..., मेरी झोपडी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे..., गर जोर मेरो चाले हीरा मोत्या सूं नजर उतार दूं..., भर दे रे श्याम झोली भर दे..., मैं तो अर्ज करूं गुरु थानें चरणा में राख जो म्हाने..., गुरुदेव कृपा करके मुझको

ब्यावर में दर्जी समाज ने आराध्य संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई।

अपना लेना... आदि भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी। इस दौरान रायपुर बालाजी आश्रम के महामंडलेश्वर संत देव दास कुमार ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए भगवान की प्राप्ति के लिए भक्ति मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठजन का माला व साफा पहनाकर व महिलाओं का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। वहीं समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। समाज बन्धुओं की सामूहिक प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष अशोक कुमार राखेचा, पुखराज चौहान, ज्ञानचंद सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष सुनील राखेचा व अजय कुमार सोलंकी, सहित नौरतमल राठौड़, संपतराज सोलंकी, प्रेमजीवन चौहान, भगवती प्रसाद गहलोत, जगदीशप्रसाद सोलंकी, राधेश्याम सोलंकी, ज्ञानचंद राठौड़, धर्मीचंद राखेचा, महिला मंडल अध्यक्ष किरण देवी राखेचा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष राजेश राठौड़, बुधराज सोलंकी, घनश्याम गोयल सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला पुरुष व बच्चे मौजूद रहे।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार परनामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की हरिभाऊ उपाध्याय नगर, विस्तार (यू.आई.टी. कॉलोनी) योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 341 क्षेत्रफल 40 वर्गमीटर के आवंटी / अन्तरिति श्रीमती कमला जाधव पुत्री श्री रामजी लाल निवासी अजमेर की मृत्यु दिनांक 01/08/2023 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत दिनांक 13/11/2018) सलंग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री राजेश गोहिल पुत्र श्री मनसुख भाई गोहिल निवासी अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें । उक्त अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उतराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की पृथ्वीराज नगर योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या D-224 क्षेत्रफल 50.00 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री तिलक विष्णु जोशी व कान्ता जोशी w/o तिलक विष्णु जोशी s/o विष्णु अम्बालाल 135-A आदर्श नगर, अजमेर की मृत्यु दिनांक 3/10/2018 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) यशवन्त तिलक जोशी (2) लव तिलक (3) श्रीकान्त तिलक जोशी पुत्रगण स्व. श्री तिलक विष्णु जोशी (4) हरिप्रिया पानेरी पुत्री स्व. तिलक विष्णु जोशी पत्नि अविकेश पानेरी (उदयपुर) (5) श्रीमती कान्ता जोशी पत्नि स्व. तिलक विष्णु जोशी निवासी 135-ए आदर्श नगर अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती कान्ता जोशी पत्नि स्व. तिलक विष्णु जोशी निवासी 135-ए आदर्श नगर अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 16/04/2024 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध मे किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदकों के नणम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

प्रारूप {नियम 6 (7) देखिए}

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर परिषद किशनगढ, अजमेर

क्रमांक/नपकि/प्रा.अ./कृ.भू.नि./2024/836 दिनांक : 23-04-2024

लोक सूचना

आवेदक 1. बलभद्र सिंह शेखावत पुत्र श्री प्रताप सिंह शेखावत, जाति राजपूत आयु 23 वर्ष निवासी कुसुम विहार कॉलोनी, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 2. धर्मेन्द्र गुप्ता पुत्र स्व0 श्री बाबूलाल गुप्ता, जाति महाजन आयु 57 वर्ष निवासी लक्ष्मीनारायण मन्दिर के सामने, अजमेर रोड, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 3. विशाल सिंह शेखावत पुत्र श्री गोपाल सिंह शेखावत, जाति राजपूत आयु 25 वर्ष निवासी अरिहन्त कॉलोनी, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 4. शंकर सिंह पुत्र श्री सज्जन सिंह जाति राजपूत आयु 52 वर्ष निवासी छोटे जैन मन्दिर के पास, जयपुर रोड़, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 5. हेमलता देवी पत्नि प्रकाशचन्द जैन जाति जन आयु 56 वर्ष निवासी मितल सदन, बालाजी चौक, अजमेर रोड, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

तहसील और जिले का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल
किशनगढ-अजमेर	राजस्व ग्राम किशनगढ बी तहसील किशनगढ	476	राजस्व ग्राम किशनगढ बी के खसरा नम्बर 476 का पार्ट रकबा 1.1924 हैक्टेयर यानि 14261.83 वर्गगज

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार माम्ले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज ....को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी आयुक्त नगर परिषद किशनगढ़।

प्रारूप {नियम 6 (7) देखिए}

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर परिषद किशनगढ, अजमेर

क्रमांक/नपकि/प्रा.अ./कृ.भू.नि./2024/832 दिनांक : 23-04-2024

लोक सूचना

आवेदक 1. चंद्रप्रकाश जैन पुत्र राजेन्द्र कुमार बैद, जाति जैन आयु 46 वर्ष निवासी जीवन ज्योति नगर, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 2. रवि कुमार उर्फ रविन्द्र जैन पुत्र राजेन्द्र कुमार बैद जाति जैन आयु 47 वर्ष निवासी जीवन ज्योति नगर, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 3. वन्दना चौधरी पुत्री श्री प्रदीप कुमार चौधरी जाति जाट आयु 48 वर्ष निवासी मकान नम्बर-13, वार्ड नम्बर 19, जिवागंज, गोवर्धन नाथ मन्दिर के पास, मंदसौर मध्यप्रदेश 4. सौरभ गुप्ता पुत्र श्री धर्मेन्द्र गुप्ता, जाति महाजन आयु 29 वर्ष निवासी लक्ष्मीनारायण मन्दिर के सामने, अजमेर रोड, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान 5. हर्ष गुप्ता पुत्र श्री राजेन्द्र गुप्ता जाति महाजन आयु 32 वर्ष निवासी आदित्य मिल के सामने, अजमेर रोड, मदनगंज किशनगढ़, जिला अजमेर, राजस्थान राजस्थान. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

तहसील और जिले का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल
किशनगढ-अजमेर	राजस्व ग्राम किशनगढ बी तहसील किशनगढ	476	राजस्व ग्राम किशनगढ बी के खसरा नम्बर 476 का पार्ट रकबा 1.8427 हैक्टेयर यानि 22041.00 वर्गगज

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार माम्ले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज ....को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी आयुक्त नगर परिषद किशनगढ़।

ओवरलोड ट्रोले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारी, तीन पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

पाटन थाने की डीआई जीप में सवार तीनों पुलिसकर्मी जो पुलिस अधीक्षक की एस्कॉर्ट में थे

पाटन थानांतर्गत रामपुर घाटी के पास हुये हादसे में पुलिस की गाड़ी चकनाचूर हो गई।

हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया।

- घटना के दौरान पुलिस अधीक्षक की गाड़ी पीछे थी गनीमत रही कि गाड़ी भी बाल-बाल बच गई

पाटन, (निसं)। पाटन थानांतर्गत रामपुर घाटी के पास एक ओवरलोड ट्रोले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे रोड़ी से भरा ट्रोला पलट गया। दुर्घटना में तीन पुलिस कर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई।

पाटन थाने की डीआई जीप में सवार तीनों पुलिसकर्मी पुलिस अधीक्षक की एस्कॉर्ट में थे, जिसमें चालक भंवरलाल (52) पुत्र छोटूराम यादव निवासी कोटड़ी खंडेला, कांस्टेबल महिपाल कसाना (38) पुत्र लीलाराम कसाना निवासी सुंदरपुरा जिला कोटपूतली, हेड कांस्टेबल शीशराम चौधरी (55) पुत्र चौथुराम निवासी जयरामपुरा श्रीमाधोपुर, पुलिस अधीक्षक की एस्कॉर्ट में शामिल थे, जो मोठूका में लगाए गए पुलिस नाके की जांच कर वापस पाटन की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान रामपुरा घाटी के नीचे घुमाव में रोड़ी से भरा हुआ ट्रोला अपना संतुलन खो बैठा और उन्होंने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रॉले की ट्राली पलट कर गिर गई और पुलिस की जीप चीपक गई जिससे तीनों पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि हेड कांस्टेबल शीशराम चौधरी को कुछ श्वांस आ रहा था जिसको पाटन से कोटपूतली के लिए रैफर किया गया परंतु गंभीर स्थिति के चलते उन्होंने भी दम तोड़ दिया। घटना के दौरान पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार नूनावत की गाड़ी पीछे थी गनीमत रही कि पुलिस अधीक्षक की गाड़ी भी बाल बाल बच गई। देखते ही देखते घटना स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और बड़ी मुश्किल से शीशराम को गाड़ी से बाहर निकाला गया, उसके बाद दोनों शवों को गाड़ी से बाहर निकाल कर राजकीय रेफरल चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया।

मौके पर सीकर आईजी सत्येन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार नूनावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारी लाल शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक अनूप डाल, नीमकाथाना सदर थाना इंचार्ज विजय सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी, पाटन थाना अधिकारी नेकीराम चौधरी, डाबला थाना इंचार्ज महेंद्र मीणा मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार करवाया तथा मेडिकल बोर्ड से तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

गॉड ऑफ ऑनर के साथ होगा तीनों शवों का दाह संस्कार :- इस बारे में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना में जान गवाने वाले कोटपूतली जिले के सुंदरपुरा निवासी महिपाल कसाना, नीमकाथाना जिले के श्रीमाधोपुर तहसील के जयरामपुरा के रहने वाले शीशराम चौधरी, और सीकर जिले की खंडेला तहसील के कोटडी के रहने वाले भंवरलाल का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में गॉड ऑफ ऑनर के साथ किया जाएगा।

एक करोड़ का 2245 किलो डोडा-पोस्त बरामद

- एंटी नारकोटिक्स सेल ने डोडा-पोस्त से भरे हुए ट्रक तथा आरोपी को गिरफ्तार किया
- डोडा-पोस्त की खेप को रांची से लाया गया था तथा श्री गंगानगर में सप्लाई किया जाना था
- आरोपियों ने ट्रक को काली तिरपाल से ढककर ट्रक के आगे 'आर्मी ऑन ड्यूटी' लिखवा रखा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। हरियाणा में सिरसा जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डोडा-चूरा पोस्त से भरे एक ट्रक को दिल्ली सिरसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर डिंग मोड़ के पास पकड़ा। इस ट्रक से 22 क्विंटल 45 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया है। इसकी कीमत पुलिस एक करोड़ रुपए आंक रही है। हरियाणा में मौजूदा वर्ष की जिला सिरसा पुलिस ने सबसे बड़ी खेप पकड़ी है। इस खेप को रांची से लाया गया था तथा पड़ोसी राज्य राजस्थान के श्री गंगानगर में सप्लाई किया जाना था। बताया जा रहा है कि इस खेप का असली मालिक गंगानगर क्षेत्र का ही है।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान विकास कुमार पुत्र बीरबल राम निवासी 2-जी तहसील जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान डोडा-पोस्त चूरा पोस्त तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल, सिरसा के प्रभारी सब इंस्पेक्टर अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डिंग रोड क्षेत्र से डोडा-पोस्त से भरे हुए उक्त ट्रक तथा आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार ट्रक की तलाशी लेने पर 117 प्लास्टिक कट्टों में भरा हुआ 2245 किलोग्राम डोडा चूरा-पोस्त बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिग थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि उक्त डोडा-चूरा पोस्त झारखंड के रांची क्षेत्र से लाया गया था और उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर क्षेत्र में सप्लाई किया जाना था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों ने उक्त ट्रक को काली तिरपाल से ढककर ट्रक के आगे 'आर्मी ऑन ड्यूटी' लिखवा रखा था। पुलिस के पास इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी थी, इसलिए आरोपी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके।

टैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुसा ट्रेलर, युवक की मौत, पति-पत्नी घायल

ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार अरौदा से जागरण में शामिल होकर लौट रहे थे

गांव बेरी के पास ट्रेलर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी।

- फोरलेन पर आवारा जानवरों को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

हलैना, (निसं)। जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे-21 स्थित हलैना थाना क्षेत्र के गांव बेरी के पास मंगलवार को सुबह फोरलेन पर आवारा जानवरों को बचाने के प्रयास में एक ट्रेलर ने आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। हादसे में टैक्टर-ट्रॉली में सवार 30 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई और एक दम्पति गम्भीर रूप से घायल हो गया, जबकि ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार अन्य आधा दर्जन से अधिक लोग बाल-बाल बच गए।

टैक्टर-ट्रॉली में सवार लोग नदबई थाना के गांव अरौदा से धार्मिक कार्यक्रम के तहत हुए रात्रि जागरण में शामिल होकर वैर थाना के गांव प्रेमनगर व हिसामडा लौट रहे थे। हादसा की भनक तथा घायल लोगों की मदद को टोल वसूल कम्पनी की सुरक्षा व मेडिकल टीम नहीं आने पर गांव अरौदा, हिसामडा व प्रेमनगर के लोगों ने जयपुर नेशनल हाइवे-21 को अवरूद्ध करने का प्रयास किया, लेकिन सूचना पर पहुंचे हलैना थाना प्रभारी बृजेन्द्र शर्मा ने हाइवे मार्ग को अवरूद्ध करने वाले लोगों को समझाया और मृतक व घायल लोगों को उपचार के लिए हलैना स्थित राजकीय सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को फोरलेन से हटवा कर यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने ट्रेलर व टैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर हादसा स्थल से फरार हुए टलर के चालक एवं खलासी की तलाश की।

वैर सर्किल के अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक जयनारायण मीणा ने बताया कि जयपुर नेशनल हाइवे के गांव बेरी के पास करीब सात बजे सड़क हादसे की सूचना प्राप्त हुई और हलैना थाना प्रभारी बृजेश शर्मा मय जाप्ता के हादसा स्थल पहुंचे, जहां ट्रेलर और टैक्टर-ट्रॉली की टक्कर हो गई। ट्रेलर ने टैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टक्कर मारी। हादसा में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार अशोक कुमार सैनी पुत्र महेशचन्द सैनी की मौके पर ही मौत हो गई तथा गांव हिसामडा निवासी मांगीलाल सैनी पुत्र भोलीराम सैनी एवं चन्द्रकला देवी पत्नी मांगीलाल सैनी घायल हो गए। मृतक अशोक कुमार सैनी के शव तथा घायल मांगीलाल व उसकी पत्नी चन्द्रकला देवी को हलैना के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, जहां घायल मांगीलाल सैनी व चन्द्रवती देवी को भरतपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

ये सभी लोग सोमवार को गांव अरौदा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे,जो मंगलवार को सुबह जलपान लेकर लौट रहे थे। लौटते समय पीछे से एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी।

हादसे में दो युवकों की मौत

सड़क के नीचे गड्ढे में दो युवक मृत अवस्था में पड़े मिले।

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र के नाथडी से ढूंढिया के बीच सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। जानकारी अनुसार मंगलवार सुबह नाथडी से ढूंढिया के बीच घुमाव के यहां बने खुर्रे समीप सड़क के नीचे गड्ढे में दो युवक मृत अवस्था में पड़े थे। इनमें से एक बाइक से उलझा हुआ पड़ा था, दूसरा युवक थोड़ी दूर पड़ा हुआ था।।

इसकी जानकारी वहां से गुजर रहे राहगीरों ने पीपलू पुलिस को दी। जिस पर थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे तथा दोनों युवकों को पीपलू अस्पताल लेकर पहुंचे जहां दोनों युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया एवं परिजनों के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम करवाकर सुपुर्द कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों मृतक बलराम पुत्र प्रभुलाल निवासी महापुरा, चौथ का बरवाड़ा तथा मनीष पुत्र रतनलाल जाट निवासी नला थाना बरौनी ढूंढिया है, जो सोमवार को एक शादी समारोह में हिस्सा लेने आए थे। बलराम शादीशुदा था, प्राइवेट गाड़ी चलाता था, पिता खेती करते है। वही मनीष टोंक रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पिता रामरतन ने बताया की वह इकलौता पुत्र था, उनके कोई संतान नहीं हैं। दोनों युवकों के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें मृत देखकर माता, पिता, भाई आदि का रो रोकर बुरा हाल था।

बदमाशों ने महिला की हत्या कर कुएं में डाला

पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों से समझाइश की।

- बैरवा समाज के लोगों ने नायब तहसीलदार को दिया ज्ञापन
- मृतका के हत्यारों को गिरफ्तार कर सजा दिलाने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर पण्डेर थाना क्षेत्र के भीलड़ी ग्राम में गत रात्रि को एक महिला का दरिंदों द्वारा हत्या कर कुएं में डाल दिया गया। मृतका के परिजनों को न्याय दिलवाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच ने नायब तहसीलदार सत्यनारायण आचार्य को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि मृतका के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने, मृतका के परिवार को राशि पच्चीस लाख रूपये की आर्थिक सहायता दिलाने, पुलिस थाना पण्डेर में सूचना देने के बाद भी सुनवाई कार्यवाही नहीं की गई जिसकी जांच की जाने, परिवार में से किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलवाने, परिवार को इसी समय पुलिस सुरक्षा प्रदान कराई जाए आदि मांगें अगले 3 दिवस के अन्दर स्वीकार की जानी चाहिए। वहीं लोगों ने कहा कि अन्यथा बैरवा समाज के द्वारा सड़क पर चक्का जाम लगा कर मांगे मनवाने का प्रयास किया जायेगा। इस दौरान शाहपुरा पुलिस उपाधीक्षक रमेश तिवारी, जहाजपुर थानाधिकारी नरपत सिंह बाना, जमोली सरपंच देवराज गुर्जर, पंडेर सरपंच पति मुकेश चौधरी, टिटोड़ी पूर्व सरपंच राजकुमार जाट, रामप्रसाद मेघवंशी, अशोक चानाल सहित ग्रामीण मौजूद थे।

पाली में भाजपा-कांग्रेस की सीधी टक्कर, दोनों पार्टियों का ध्यान ग्रामीण क्षेत्र पर

- भाजपा ने तीसरी बार वर्तमान सांसद पीपी चौधरी पर दाव खेला है, वहीं कांग्रेस ने जोधपुर निवासी संगीता बेनीवाल को उतारा है
- चर्चा है कि नया चेहरा होने के कारण संगीता बेनीवाल की जीत मुश्किल नजर आ रही है, वहीं भाजपा नेताओं के हौसले बुलंद हैं

पाली, (निसं)। चुनाव आयोग के निर्देश के बाद इस बार लोकसभा चुनाव के तीन दिन शेष रहते हुए पाली शहर में कोई विशेष हलचल नहीं है, न ही बैनर पोस्टर बाजी, झंडा नजर नहीं आए। बड़ी आम सभा अभी तक दोनों पार्टियों ने की है।

पाली लोकसभा क्षेत्र में पाली, सोजत, बाली, सुमेरपुर, मारवाड़ जंक्शन, ओसियां, भोपालगढ़, बिलाड़ा आठ तहसील शामिल है, जिसमें करीब 23 लाख से ज्यादा मतदाता अपना मतदान करेंगे। जिसमें जाट,चौधरी, राजपुरोहित, ब्राह्मण राजपूत, ओबीसी अन्य जाति का समीकरण है। जहां भाजपा ने तीसरी बार वर्तमान सांसद पीपी चौधरी पर दाव खेला है, वहीं कांग्रेस द्वारा जोधपुर निवासी संगीता बेनीवाल को उतारा गया है। यहां पर कुल 13 प्रत्याशी खड़े हैं, लेकिन टक्कर कांग्रेस-बीजेपी में ही है।

पिछले 10 साल पीपी चौधरी सांसद और मंत्री रहते हुए कई कार्य मोदी सरकार के राज में करे हैं, जिसके कारण आठों तहसील में उनको जनता जानती हैं, लेकिन संगीता बेनीवाल के लिए पूरा क्षेत्र नया है। लेट टिकट नाम की घोषणा के बाद वह पूरे तहसील में घूम रही है। वर्तमान में भाजपा के प्रत्याशी कांग्रेस से आगे हैं। भाजपा नेता चार से पांच लाख की जीत बताते हैं। पाली जिले को छोड़ भोपालगढ ओसियां में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मीटिंग ले चुके हैं, भाजपा से अमित शाह बड़े नेता के रूप में भोपालगढ़ में मीटिंग ले चुके हैं। पिछले 30 वर्षों में दो बार पुष्प जैन, एक बार कांग्रेस के बद्री जाखड़, फिर दो बार पी पी चौधरी जीते थे। मुख्यमंत्री भजनलाल ओसिया और बाली में आम सभा कर चुके हैं। जहां भाजपा की कमान उनके विधायक मंत्री संभाल रहे हैं। संगीता को खुद हर क्षेत्र में वहां के नेता के साथ प्रचार का दौरा कर रही है, लेकिन पाली शहर में अभी तक किसी की मीटिंग नहीं हुई। चर्चा है कि नया चेहरा होने के कारण संगीता बेनीवाल की जीत मुश्किल नजर आ रही है। भाजपा नेताओं के हौसले बुलंद है।

पी.पी. चौधरी के समर्थन में कंगना रनौत ने रोड शो किया

पाली में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में अभिनेत्री कंगना रनौत ने रोड शो किया।

पाली, (निसं)। पाली शहर में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में मंगलवार को फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का रोड शो पुराना बस स्टैंड भाजपा जिला कार्यालय से ढोल धमाके डीजे पर भाजपा के गीत, जय श्री राम के नारे के साथ रवाना हुआ।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता केसरिया साफा पहन हाथों में भाजपा का ध्वजालहराते हुए चल रहे थे। वहीं महिला मोर्चा की महिलाएं कमल के फूल निशान की साड़ियां पहने सर पर सफा बांधे चल रही थी। दो डीजे की गाड़ी, प्रसिद्ध नासिक ढोल की गूंज के साथ एक खुली गाड़ी में प्रत्याशी पी पी चौधरी, कंगना रनौत, सोजत विधायक शोभा चौहान, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख साथ थे। कंगना रनौत बीच में माइक पर जय श्री राम, अबकी बार 400 पर का नारा लगा रही थी और जनता का अभिवादन कर रही थी।

कंगना रनौत का जोधपुर में रोड शो

जोधपुर, (कासं)। बॉलीवुड एक्ट्रेस व भाजपा से हिमाचल के मंडी लोकसभा प्रत्याशी कंगना रनौत जोधपुर पहुंची। एयरपोर्ट पर कंगना ने जय श्री राम का नारा लगाया। यहां से पाली के लिए रवाना हुई। पाली में रोड शो के बाद जोधपुर आकर शाम सात बजे लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत के समर्थन में वोट मांगे। जोधपुर में रोड शो के बाद कंगना ने होटल में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा की। कंगना रात को जोधपुर में ही विश्राम किया। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा ने बताया कि रोड शो सूरसागर विधानसभा क्षेत्र सेटेलाइट हॉस्पिटल हाउसिंग बोर्ड में शाम को रोड शो किया। रोड शो में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री व जोधपुर लोकसभा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, शहर विधायक अतुल भंसाली, लोकसभा संयोजक राजेन्द्र कुमार गहलोत, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या की

बंजारा समाज के लोगों ने नमाना थाने के बाहर शव को रखकर प्रदर्शन किया।

बूंदी, (निसं)। बंजारा समाज के लोगों ने मंगलवार को नमाना थाने के बाहर गणेशपुरा निवासी लक्ष्मण बंजारा का शव रख आत्महत्या के लिए उकसाने वाले की गिरफ्तारी की मांग की।

समाज के लोगों का कहना है कि बलराम गुर्जर के खेत पर लक्ष्मण बंजारा हाली था। बलराम और जुगराज ने लक्ष्मण के साथ किसी बात को लेकर मारपीट की, जिससे उसके शरीर पर चोटें आई। दोनों भाईयों ने लक्ष्मण को मारने की धमकी भी दी। जिससे हताश होकर लक्ष्मण बंजारा ने 19 अप्रैल को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त करने की कोशिश की। कोटा इलाज के दौरान बीती रात लक्ष्मण की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बंजारा समाज अध्यक्ष प्रकाश बंजारा के नेतृत्व में परिवार व समाज के लोग शव को थाने के बाहर रखकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। तालेड़ा पुलिस उपाधीक्षक तरूण कांत सोमानी को ज्ञापन देकर अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। थाना अधिकरी धर्माराम ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिफाइनरी बड़ा प्रोजेक्ट, काम तेजी पर है : सुधांश पंत

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश सरकार में मुख्य सचिव सुधांश पंत आज जयपुर के रवाना हो गए। वे सोमवार को बाड़मेर पचपदरा में बन रही रिफाइनरी के कार्य को देखने के साथ समीक्षा बैठक में गए थे। लौटते समय एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की और कहा कि यह बड़ा प्रोजेक्ट है और काम तेजी पर चल रहा है। साइट विजिट को मौके पर देखा है। संबंधित अधिकारियों एचपीसीएल आदि के साथ चर्चा हुई है। तेज गति से काम चल रहा है। पंत ने कहा कि कोई एक यूनिट नहीं उसमें दस यूनिट है, सभी पर विस्तृत चर्चा की गई है। सभी का काम अलग-अलग समय में पूरा होगा। काम कब पूरा होगा उन सभी बिंदूओं पर चर्चा हुई है। आशा करते है कि काम जल्दी से पूर्ण हो जाए।

अंग प्रत्यारोपण के लिए जनरेट करनी होगी डोनर और रिसीवर की यूनिक आई.डी.

राजकीय और निजी अस्पतालों में मानव अंग प्रत्यारोपण में पारदर्शिता के लिए चिकित्सा विभाग ने कदम उठाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के राजकीय व निजी अस्पतालों में मानव अंग व ऊतक प्रत्यारोपण में पूरी पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए तकनीकी उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। प्रत्येक प्रत्यारोपण के लिए डोनर और रिसीवर की यूनिक नोटो-आईडी जनरेट की जाएगी। इसके बिना प्रत्यारोपण संभव नहीं होगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण राजस्थान की समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने इस संबंध में मानव अंगों के प्रत्यारोपण के लिए अधिकृत राजकीय अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों एवं निजी अस्पतालों के प्रबंध निदेशकों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

दिशा निर्देशों के अनुसार मानव अंग एवं ऊतकों के प्रत्यारोपण के लिए अधिकृत राजकीय या निजी अस्पताल को प्रत्यारोपण के लिए नोटो की वेबसाइट पर जाकर अनिवार्य रूप से यूनिक नोटो-आईडी जनरेट करनी होगी। जीवित या मृतक दोनों ही डोनर के अंगों का आंवटन करने हेतु यूनिक आईडी जनरेट करना अनिवार्य होगा। यह आईडी प्रत्यारोपण सर्जरी के 48 घंटों के भीतर जनरेट करनी होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए नोटो के ऑफिस में दूरभाष नम्बर 011-26164770 एवं टोल फ्री नम्बर 1800-11-4770 पर सम्पर्क किया जा सकता है। साथ ही नोटो की ईमेल आईडी .. के माध्यम से भी जानकारी ली जा सकती है।

समुचित प्राधिकारी ने यह दिशा निर्देश सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर, न्यू हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज कोटा, एम्स जोधपुर, माथुरादास माथुर हॉस्पिटल जोधपुर तथा जयपुर के मोनीलेक हॉस्पिटल, अपेक्स हॉस्पिटल, निम्स हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, ईएचसीसी हॉस्पिटल, मणिपाल हॉस्पिटल, संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल, सीके बिड़ला हॉस्पिटल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, फोर्टिस हॉस्पिटल एवं उदयपुर के गीतांजलि हॉस्पिटल को जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों की 2 दिवस में पालना कर समुचित प्राधिकारी को सूचित करना होगा।

■ समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर, न्यू हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज कोटा, एम्स जोधपुर, माथुरादास माथुर हॉस्पिटल जोधपुर तथा जयपुर के मोनीलेक हॉस्पिटल, अपेक्स हॉस्पिटल, निम्स हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, ईएचसीसी हॉस्पिटल, मणिपाल हॉस्पिटल, संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल, सीके बिड़ला हॉस्पिटल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, फोर्टिस हॉस्पिटल एवं उदयपुर के गीतांजलि हॉस्पिटल को दिशा निर्देश जारी किए । इन दिशा निर्देशों की 2 दिवस में पालना कर समुचित प्राधिकारी को सूचित करना होगा।

श्री मनसापूरण हनुमान मन्दिर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया

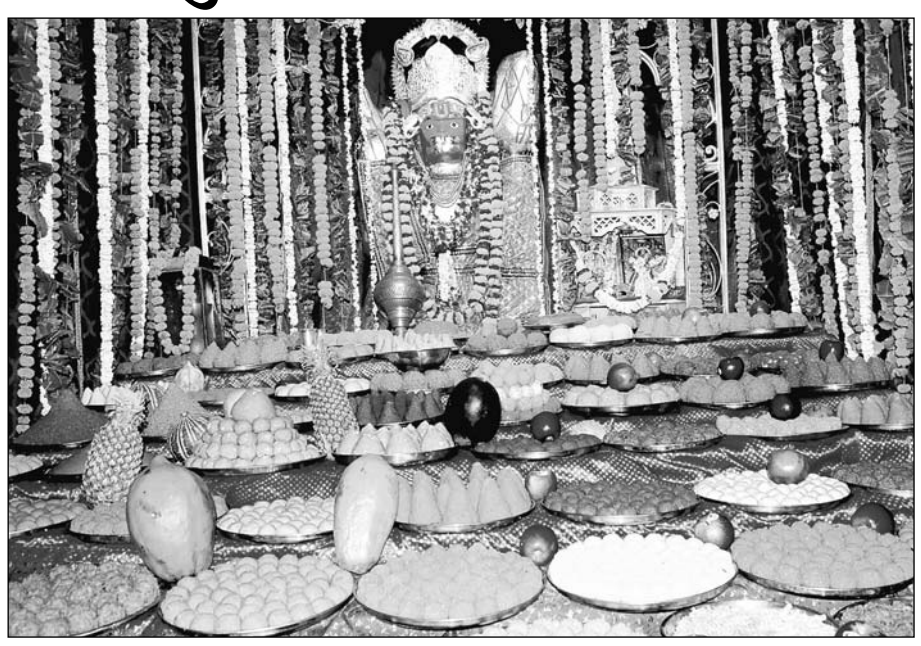

जयपुर, (का.सं.)। करतारपुरा के श्री मनसापूरण हनुमान मन्दिर में दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मन्दिर महंत राधेश्याम लल्लू महाराज के सानिध्य में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के तहत 23 अप्रेल को हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्री मनसापूरण हनुमान जी का प्रात 8 बजे वैदिक मंत्रोचार के साथ दुग्धाभिषेक एवं रूद्रपाठ किया गया। संध्याकाल में 11000 लड्डुओं का भोग लगा कर महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

साथ ही मंदिर में बालाजी की आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई गई। इस दौरान भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें कई ख्याति प्राप्त गायक कलाकारों ने अपने भजनों से प्रभु का गुणगान किया। भजन संध्या में गायक कलाकारों ने अपने भजन प्रस्तुतियों से वीर बजरंग बली को रिझाया तो सजीव झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। देर रात तक चले कार्यक्रम में नाचते गाते वीर बजरंगबली का जयकारा लगाते हुए आनंद के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

सोटो एवं स्टीयरिंग कमेटी का होगा पुनर्गठन

■ चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को दिए निर्देश

जयपुर । प्रदेश में सुगमतापूर्वक एवं नियमानुसार मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के लिए स्टेट ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) का पुनर्गठन किया जाएगा। साथ ही सोटो के सुगम कार्य संचालन, प्लानिंग एवं नेशनल ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांट प्रोग्राम की गाइडलाइन के अनुसार गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए स्टीयरिंग कमेटी का भी पुनर्गठन किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा शुभ्रा सिंह के निर्देशों के बाद चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने सोटो एवं स्टीयरिंग कमेटी के पुनर्गठन के लिए सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि स्टेट ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त निदेशक डॉ. अमरजीत मेहता द्वारा अपना त्यागपत्र दे दिया गया है, इसलिए नेशनल ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांट गाइडलाइन के अनुसार सोटो का पुनर्गठन शीघ्र कराया जाए। साथ ही सोटो के सुचारू संचालन के लिए स्टीयरिंग कमेटी का पुनर्गठन भी नियमानुसार कराया जाए।

दूसरे चरण के लिये आज थमेगा प्रचार-प्रसार

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के द्वितीय चरण में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार गतिविधियां 24 अप्रैल शाम 6 बजे से थम जाएंगी। दूसरे चरण में 13 लोकसभा क्षेत्रों टोंक-सवाईमाधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चितौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

डेंटिस्ट भी 62 साल की उम्र तक सेवा के हकदार : हाईकोर्ट

जयपुर।हाईकोर्ट ने डेंटिस्ट की रिटायरमेंट उम्र से जुडे मामले में कहा है कि वे भी 62 साल की उम्र पूरी होने तक सेवा में बने रहने के हकदार हैं। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता डेंटिस्ट को 62 साल की उम्र तक काम करते रहने के लिए कहा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि यदि इस संबंध में कोई विपरीत आदेश जारी किया हो तो उसे तत्काल वापस लिया जाए। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. बंशीधर वर्मा की याचिका को मंजूर करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने सामान्य एमबीबीएस डॉक्टर्स की रिटायरमेंट उम्र 60 साल से बढाकर 62 साल कर दी है, लेकिन बीडीएस डॉक्टर्स यानि डेंटिस्ट की रिटायरमेंट उम्र 60 साल ही बरकरार रखी है। जबकि डेंटिस्ट व एमबीबीएस के भर्ती नियम समान ही हैं। याचिकाकर्ता 60 साल की उम्र पूरी होने पर 30 अप्रैल को रिटायर होने जा रहा है। इसलिए उसे 60 साल की बजाय 62 साल की उम्र पर रिटायर किया जाए और तब तक सेवा में बने रहने दिया जाए। जवाब में राज्य के एजी राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि एमबीबीएस एलोपैथी डॉक्टर्स की रिटायरमेंट उम्र ही 60 साल से बढ़ाकर 62 साल की थी। जबकि इस मुद्दे से जुडे मामले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी के जरिए चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने मांगा स्पष्टीकरण

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक को बिना कारण निलंबित करने से जुडे मामले में दो साल बाद भी जवाब पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में 13 मई तक स्पष्टीकरण नहीं देने पर अतिरिक्त मुख्य शिक्षा सचिव और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को पेश होने को कहा है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता शिक्षक के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश भंवरलाल गुर्जर की याचिका पर दिए।

पुलिस आयुक्त जयपुर बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देश पर यातायात पुलिस जयपुर की ओर से आमजन को सुगम एवं सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराया जा रहा है। यातायात नियमों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आमजन में राजस्थान रॉयल्स क्रिकेट टीम का सहयोग से यातायात जनजागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया।

उपार्जित अवकाश के भुगतान की वसूली पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने रिटायर शिक्षक को किए गए उपार्जित अवकाश के भुगतान की वसूली पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से जवाब तलब किया है। अधिकरण ने यह आदेश राकेश कुमार शर्मा की अपील पर दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी की नियुक्ति वर्ष 1995 में अनुदानित कॉलेज में हुई थी। वहीं वर्ष 2011 में राजस्थान स्वेच्छया ग्रामीण शिक्षा सेवा नियम लागू होने पर अपीलार्थी का समायोजन सरकारी कॉलेज में कर दिया गया।

गुजरात के बनासकांठा में भ्रूण लिंग परीक्षण कराते दलाल पकड़ा

जयपुर। राजस्थान पी. सी. पी. एन. डी. टी. प्रकोष्ठ ने सोमवार को गुजरात के बनासकांठा के धानेरा में सफल डिकॉय ऑपरेशन करते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण में शामिल दलाल राजूराम विश्नोई पुत्र हरिराम विश्नोई निवासी सांकड़ जिला सांचौर हाल संविदाकर्मी जीएनएम पीएचसी सांकड़ जिला सांचौर को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने बताया कि पिछले दिनों पीसीपीएनडीटी सेल जयपुर को जालौर जिले के आसपास के क्षेत्र में भ्रूण लिंग जांच की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की पुष्टि के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पीसीपीएनडीटी श्री के.के. अवस्थी के निर्देशन में टीम का गठन किया गया। डिकॉय ऑपेरशन के लिए तैयार कार्ययोजना के तहत निरीक्षण दल जालौर पहुंचा। डिकॉय टीम ने दलाल से सम्पर्क किया, जो कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सांकड में संविदा रूप में जीएनएम पद पर कार्यरत है। दलाल गर्भवती महिला को भ्रूण लिंग जांच के लिए सीमावर्ती राज्य गुजरात ले जाने के लिए तैयार हो गया तथा भ्रूण लिंग परीक्षण की एवज में 45 हजार रुपये एडवांस प्राप्त कर लिए। दलाल गर्भवती महिला को पूजा हॉस्पिटल धनेरा बनासकांठा गुजरात में लेकर गया। टीम में सर्तकता और सावधानी से लगातार दलाल का पीछा किया। गर्भवती महिला के इशारे उपरांत टीम ने दबिश देकर दलाल राजूराम को गिरफ्तार कर लिया।

राजूराम विश्नोई

■ राजस्थान पी.सी.पी.एन.डी.टी. टीम का सफल डिकॉय ऑपरेशन

अनुसंधान में पता चला कि दलाल ने धोखाधड़ी करते हुए गर्भवती को पूजा हॉस्पिटल धनेरा बनासकांठा गुजरात में ले जाकर डॉक्टर से गर्भवती महिला के पेट में दर्द की शिकायत कर जांच करवाई तथा बाहर निकल कर गर्भवती को भ्रूण लिंग की जानकारी दी। आरोपी दलाल के पास से भ्रूण लिंग परीक्षण के लिए ली गई राशि के हू-ब-हू नंबरी नोट भी बरामद किये है। टीम में तीन पुलिस निरीक्षक गुंजन सोनी, अनिल जैमन एवं प्रीति चेची एवं अन्य कार्मिक शामिल रहे। कांस्टेबल कैलाश, ललित मुकेश एवं शानू तथा जिला समन्वयक पीसीपीएनडीटी शंकर सुथार, पाली के महेश कुमार की भी भूमिका रही।

चौथी मंजिल से कूदकर युवक ने आत्महत्या की

जयपुर । जालूपुरा थाना इलाके में स्थित के गणपति प्लाजा की चौथी मंजिल से मंगलवार की दोपहर कूद कर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। जो चौथी मंजिल पर स्थित शेखावाटी कॉम्प्लेक्स ऑफिस बॉय का काम करता था।

यही पर बने हुए एक कमरे में रहता था। पुलिस ने मृतक की जेब से मोबाइल और कुछ अन्य सामान सीज किया हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

भंवर जितेन्द्र सिंह के खिलाफ चल रही अदालती कार्रवाई रद्द

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बूंदी राजघराने की संपत्तियों के धोखाधड़ी से जुड़े मामले में राजीनामा होने के चलते पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह सहित अन्य के खिलाफ बूंदी के एसीजेएम कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र सिंह व अन्य की याचिका पर दिए।

भंवर जितेन्द्र सिंह के अधिवक्ता पंकज गुप्ता ने बताया कि याचिका में प्रार्थी के खिलाफ बूंदी के कोतवाली थाने में वर्ष 2017 में दर्ज एफआईआर व ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई को रद्द करने का आग्रह किया गया था।

मामले के अनुसार अविनाश चानना ने भंवर जितेन्द्र सिंह सहित अन्य के खिलाफ 2017 में कोतवाली पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया था कि बूंदी रियासत की संपत्ति की वसीयत 30 मार्च 2009 को उसके पक्ष में हो गई थी, लेकिन भंवर जितेन्द्र सिंह ने अपने मामा रणजीत सिंह की वसीयत से छेड़छाड़ कर उसे अपने पक्ष में किया है। इस संपत्ति को लेकर अविनाश ने दिल्ली हाईकोर्ट में प्रोबेट भी दायर की। वहीं जितेन्द्र सिंह ने कोर्ट में सिविल दावा कर कहा था कि रणजीत सिंह ने अपनी संपत्ति को कुल देवी आशापुरा माताजी के नाम पर सरेंडर कर दिया है और वे इसके सेवायत हैं। इस मामले में दिसंबर 2018 में एफआर लग गई तो चानना ने इसे प्रोटेस्ट पिटिशन के जरिए कोर्ट में चुनौती दी।

इस दौरान अविनाश की मृत्यु हो गई तो उसके बेटे समीर व सुनील ने केस को जारी रखा। प्रोटेस्ट पिटिशन पर सीजेएम कोर्ट ने जितेन्द्र सिंह व अन्य के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए उन्हें गिरफ्तारी वारंट जारी कर कोर्ट में पेशी का निर्देश दिए।

इसे निगरानी कोर्ट में चुनौती देने पर अदालत ने गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदल दिया, लेकिन प्रसंज्ञान सही माना। इस दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने संपत्ति को कुलदेवी के नाम सरेंडर करना सही माना।

इसके बाद जितेन्द्र सिंह व अन्य पक्षकारों के बीच राजीनामा होने पर हाईकोर्ट में एफआईआर व ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई को रद्द करने की गुहार की गई थी।

मुंह दबाकर महिला की हत्या कर फरार हुआ बदमाश

■ लूट के इरादे से घर में घुसे बदमाश ने की वारदात

जयपुर । बगरू थाना इलाके में लूट के इरादे से घर में घुसकर बदमाश ने एक महिला की मुंह दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद बदमाश अंदर से दरवाजा बंद कर मकान की दत से कूदकर भाग निकला। घटना के समय परिवार के बाकी सदस्य एक शादी में गए थे। वापस लौटने पर उन्हें घटना का पता चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक संदिग्ध युवक को पकडा है। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए दस लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने जल्द ही इस हत्याकांड से पर्दा उठाने की बात कहीं है।

पुलिस ने बताया कि बारवाल की ढाणी लोहरवाड़ा वेदांत सिटी में रहने वाली हीरा देवी (51) पत्नी भीम सिंह की हत्या करना सामने आया है। यहां मृतक महिला अपने बेटे-बहू, पोता-पोती के साथ रहती थी। बीस अप्रैल को बेटा सतीश पत्नी-बच्चों के साथ अजमेर शादी में गया था। 21 अप्रैल की रात बदमाश लूट के इरादे से घर में घुस गया। घर में अकेली मौजूद मिली हीरा देवी ने बदमाश का विरोध किया तो मुंह दबाकर हत्या कर दी। लाश को बेड पर पटक कर हत्यारा फरार हो गया।

रविवार रात करीब 10.40 बजे कॉल करने पर मां हीरा देवी ने फोन नहीं उठाया। बार-बार फोन करने के बाद भी कॉल पिक नहीं किया। बड़े भाई मांगीलाल को कॉल कर भांजे पुलकित को घर भेजने के लिए कहा। भांजा पुलकित और चचेरी बहन माया और मौसी की लड़की अंजली घर पहुंचे। घर का गेट अंदर से बंद था। लाइट भी बंद थी। काफी आवाज लगाने के बाद भी मां हीरा देवी ने जबाव नहीं दिया। अनहोनी की आशंका पर गेट की कुंदी तोड़कर घर के अंदर गए। घर के अंदर जाकर कमरों में देखा। अंदर वाले कमरे में मां हीरा देवी की लाश बेड पर पड़ी हुई थी। मां की लाश देखकर परिवार के सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आस-पास के लोग भी इकट्ठा होकर घर पहुंच गए। मर्डर की सूचना पर बगरू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। मां हीरा देवी के गले पर चोट के निशान थे। पास ही तकिया पड़ा हुआ था।

मां हीरा देवी की हत्या के बाद बदमाश ने घर को अंदर से लॉक कर दिया था। सभी लाइट बंद कर दी। इससे किसी को शक नहीं हो। उसके बाद छत पर पहुंचा। गेट को बाहर से लॉक कर हत्यारा कूदकर भाग निकला। जब लोग घर पर एकत्रित हुए इस दौरान घर के पास एक मोबाइल की लाइट जलती दिखी। लोगों ने उस युवक को पकड़ लिया। पकड़ा गया राजू छीपा बगरू का रहने वाला है। नशेड़ी प्रवृत्ति का राजू अक्सर घर के पास आता-जाता रहता था। कई बार उसे घर के आस-पास घूमने से मना भी किया था। संदिग्ध को पकड़ कर लोगों ने बगरू थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस फिलहाल पूछताछ कर जल्द ही हत्या के मामले का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

किताब 'गुरुजी : एक गुमनाम हीरो' का विमोचन

जयपुर, (का.सं.)। विश्व पुस्तक दिवस पर मंगलवार को आरएएस क्लब में किताब 'गुरुजी : एक गुमनाम हीरो' का विमोचन किया गया। अमित असावा और रितिका पचौरी सह-लिखित यह पुस्तक भारतीय इतिहास के स्वतंत्रता सेनानी गोकुल लाल असावा के जीवन के अहम पहलुओं का सफरनामा है।

सह-लेखक अमित असावा ने कहा कि यह किताब उन लोगों की अदम्य भावना का प्रमाण है, जो अपना जीवन नेक कार्यों के लिए समर्पित करते हैं। साथ ही समाज पर प्रभावी असर छोड़ते हैं। वे केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि शाहपुरा राज्य के पहले प्रधानमंत्री भी थे। वह कोटा राजधानी के साथ संयुक्त राजस्थान के पहले प्रधानमंत्री भी रहे। इसके अलावा उदयपुर की राजधानी के समय दूसरे संयुक्त राजस्थान के उप प्रधान मंत्री भी रहे। सामाजिक न्याय के प्रति उनके दृढ़ समर्पण, अटूट विश्वास और दूरदर्शी नेतृत्व ने राष्ट्र पर एक अमिट छाप छोड़ी। विशेष रूप से उन्होंने भारत के आधुनिक संवैधानिक ढ़ांचे को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले पैनल चर्चा हुई, जिसमें प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादक शामिल हुए। चर्चा में किसी उद्देश्य के लिए बलिदान देने का सार, दस्तावेजीकरण की अनिवार्यता और अद्वितीय गुण शामिल रहे, जो एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण रूप में अलग करते हैं। जैसा कि हम गोकुल लाल असावा के जीवन के इस ज्ञानवर्धक अन्वेषण पर आगे बढ़ रहे हैं।

डॉलर दिखाकर ठगने वाली गैंग का सरगना गिरफ्तार

जयपुर । मालपुरा पुलिस ने अमेरिकन डॉलर दिखाकर ठगी करने वाली गैंग के मुख्य सरगना को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कचरा बीनने का काम करता है कचरे में विदेशी डॉलर मिलने की कहकर स्थानीय दुकानदार एवं राहगीरों को लालच में लेकर सस्ते दामों में डॉलर बेचने का झांसा देकर बडी रकम ठगता था।

पुलिस ने बताया कि मालपुरा थाना पुलिस ने अमेरिकन डॉलर दिखाकर ठगी करने वाली गैंग के मुख्य सरगना मोहम्मद समीर निवासी जोलिंगर जिला मुर्शिदाबाद कोलकाता (पश्चिम बंगाल) हाल रामसिंहपुरा सांगानेर को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

मुहाना में व्यापारी से 71 लाख रुपए की लूट

■ जमीन खरीदने के लिए सीकर से जयपुर आया था पीड़ित, आधा दर्जन बदमाशों ने मारपीट कर रकम लूटी

जयपुर । मुहाना इलाके में मंगलवार को स्कॉर्पियो सवार आधा दर्जन बदमाशों ने एक व्यापारी से मारपीट कर 71 लाख रुपए लूट लिए। बदमाशों ने व्यापारी की कार में भी जमकर तोड़फोड़ की है। पीडित व्यापारी सीकर से जमीन खरीदने के लिए रुपए लेकर जयपुर आया था और वह अपने रिश्तेदार के यहां पर ठहरा हुआ था।

पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम को सीकर निवासी देवेंद्र जांगिड कार लेकर कहीं जा रहा था। सुमेर नगर विस्तार वीटी रोड पर एक काले रंग की स्कर्पियों कार ने उसकी गाडी के आगे लगाकर उसे रोका। कार से आधा बदमाश उतरे और उसकी कार में जमकर तोड़फोड़ की। इसके बाद बदमाश व्यापारी से मारपीट कर 71 लाख रुपयों से भरा बैग छीनकर ले गए। इस पर पीडित ने घटना की जानकारी कंट्रोल रुम को दी। इस पर डीसीपी सहित पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने अपराधियों की धरपकड के लिए ए श्रेणी की नाकाबंदी करवाई है। एसीपी मानसरोवर संजय शर्मा ने बताया कि देवेंद्र जयपुर में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आया था और वह कुछ दिन से अपने रिश्तेदार के यहां पर रुका हुआ था। मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। वहीं कार के नम्बरों के आधार पर भी बदमाशों की धरपकड का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल बदमाश पुलिस की पकड से दूर है।

सेंट्रल जेल में मिट्टी में दबा मिला मोबाइल

जयपुर । जयपुर सेंट्रल जेल में मोबाइल मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जेल प्रशासन को तलाशी के दौरान जेल में मिट्टी में मोबाइल दबा मिला। जेल प्रशासन ने बंदी प्रदीप रावत के खिलाफ लाल कोठी थाने में मोबाइल रखने का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि जेल प्रहरी सुमेर सिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि जेल के वार्ड नंबर 4 के बैरक नंबर 2 की तलाशी कर रहा था। इस दौरान बैरक के सामने मंदिर के पीछे मिट्टी की स्थिति देखने पर शक हुआ। उस जगह खुदाई करवाई। यहां पन्नी में बंद की-पैड वाला मोबाइल फोन मिला। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि यह मोबाइल विचाराधीन बंदी प्रदीप रावत का है। लाल कोठी थाने के जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल जुगल किशोर ने बताया कि जेल से मिली रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मोबाइल जब्त कर लिया है। कोर्ट से परमिशन लेकर जेल में बंदी से पूछताछ की जाएगी। यह मोबाइल कहां से लेकर आया और क्या काम में लेता था।

सरकारी भूमि में खनन माफिया ने हजारों टन ग्रेवल मिट्टी का अवैध खनन किया

ग्रामीणों की शिकायत पर खजूरी नायब तहसीलदार ने पहली बार कार्रवाई की

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के जस्सूजी का खेड़ा और भग्गुनगर (जहाजपुर) पंचायत क्षेत्र के गोधपुरिया गांव की सरकारी भूमि में पिछले कई दिनों से खनन माफिया द्वारा ग्रेवल मिट्टी का अवैध खनन धड़ल्ले से किया जा रहा था। मौक़े से हजारों टन ग्रेवल मिट्टी का अब तक खनन किया जा चुका है और मिनरल ग्राइंडर की फैक्ट्रियों में अवैध खनन के मिनरल को ग्राइंडिंग कर कई राज्यों में भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों की शिकायत पर खजूरी (जहाजपुर) के तहसीलदार ने ग्रेवल मिट्टी परिवहन करते खनन माफिया के एक डम्पर को जब्त कर काछोला थाना पुलिस को सौंपा। उक्त कार्रवाई की भनक लगने पर मौके से जेसीबी मशीन और अन्य डम्पर फरार हो गए।

ग्रेवल मिट्टी का अवैध खनन कर परिवहन करते एक डम्पर को जब्त कर पुलिस को सौंपा।

- कार्रवाई की भनक लगने पर मौके से जेसीबी मशीन और अन्य डम्पर फरार हो गए
- फैक्ट्रियों में ग्रेवल मिट्टी को ग्राइंडिंग कर टाइल्स मिनरल तैयार किया जाता हैं

नायब तहसीलदार बलवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि गोधपुरिया से काछोला की ओर ग्रेवल मिट्टी लेकर आ रहे एक डम्पर को जब्त किया गया है और सरकारी भूमि पर किए गए अवैध खनन का मेंरमेंट करने के निर्देश हल्का पटवारी को दिए गए हैं तथा अवैध खननकर्ता की जानकारी जुटाई जा रही हैं। गोधपुरिया और निकट के बगतपुरा के ग्रामीणों का आरोप है कि सरथला व काछोला की ग्राइंडिंग फैक्ट्रियों के संचालकों द्वारा सैकड़ों बीघा सरकारी भूमि में किए जा रहे अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन के जिम्मेदारों को शिकायत की। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि कभी रात में तो कभी दिन में खनन माफिया द्वारा भारी भरकम मशीनों से अवैध खनन कर डम्पर और ट्रैक्टर ट्रॉलियों में परिवहन कर ग्राइंडिंग फैक्ट्रियों में ग्रेवल मिट्टी को ले जाते है और वहां ग्राइंडिंग कर मिट्टी के कट्टों को ट्रकों में भरकर अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है जिससे सरकार को लाखों के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। फैक्ट्री संचालको द्वारा तथा कथित रवन्ना लाकर अवैध खनन पर पर्दा डालने का खेल खेला जा रहा है। वहीं बिल्टी और बिल में अंडरलोड बताकर मिट्टी के कट्टों को ट्रकों में ओवरलोड भर कर अन्य राज्यों में परिवहन किया जाता है। मिली जानकारी के मुताबिक सरथला पँचायत में एक ही लाइसेंस पर दो ग्राइंडिंग फैक्ट्रियां चल रही हैं लेकिन फेक्ट्री संचालकों ओर जिम्मेदारों की मिली भगत के चलते कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

काछोला थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी ने बताया कि खजूरी नायब तहसीलदार द्वारा जब्त ग्रेवल मिट्टी के डम्पर को जब्त कर खनिज विभाग को अग्रिम कार्रवाई के लिए सूचना भेज दी गई है। अवैध खनन और परिवहन पर कड़ी निगरानी कर रात्रि गश्त और नाकेबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों की चैकिंग भी की जा रही है।

घर के बाहर बैठे युवक पर स्कूटी सवार दो युवकों ने गोली चलाई

घटना में युवक बाल-बाल बच गया, एक अन्य व्यक्ति पर भी गोली चलाने का प्रयास किया

भीलवाड़ा, (निसं)। घर के बाहर बैठे एक युवक पर स्कूटी सवार दो युवकों ने फायर कर दिया। फायरिंग की घटना में घर के बाहर बैठा युवक बाल-बाल बच गया। युवकों को पकड़ने और उन्हें फायरिंग से रोकने आए एक स्थानीय व्यक्ति पर भी इन्होंने गोली चलाने का प्रयास किया। मामला शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के मालान एरिया का है। यहां चारभुजा नाथ मंदिर के सामने घर के बाहर बैठे मुकेश जाट पर स्कूटी पर सवार कृश सुवालका और उसके एक साथी ने फायरिंग कर जान से मारने की कोशिश की। तीन राउंड फायर में एक कारतूस और एक कारतूस का खोल मौके से बरामद हुआ है।

- तीन राउंड फायर में एक कारतूस और एक कारतूस का खोल मौके से बरामद हुआ है

फायरिंग के बाद कारतूस का खोल मौके से बरामद किया।

मुकेश ने बताया कि वह पार्टी के बैनर पोस्टर बांट कर अपने घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान स्कूटी पर कृश सुवालका और उसका एक साथी आया और उन्होंने फायरिंग कर दी। गोली उसके नजदीक से होकर निकल गई, दूसरी गोली चलने पर उसने वहां पास खड़ी कर के पीछे छुप कर खुद को बचाया। इसी दौरान पास में बैठा एक मोहन जाट, मुकेश को बचाने और हमलावरों को पकड़ने के लिए आया तो उस पर भी फायरिंग कर दी, फायरिंग में वह भी बाल बाल बच गया। फायरिंग के बाद हमलावर तुरंत मौके से फरार हो गए। घटना के बाद बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज मौके पर पहुंचे और मौके से एक कारतूस और एक कारतूस की खोल बरामद की है। घटना के बाद से क्षेत्रवासियों में दहशत है। दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश थी। इस के चलते फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस ने मुकेश की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पैरालीगल वोलेंटियर्स का ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

अजमेर, (कासं)। जिला विधिक प्राधिकरण अजमेर के सभागार में जेल क्लिनिक के सफल क्रियान्वयन के लिए पैरालीगल वोलेंटियर्स का ट्रैनिंग प्रोग्राम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सचिव रामपाल जाट सचिव के नेतृत्व में शुरू हुआ। सचिव जाट ने पैरालीगल वोलेंटियर्स को कारागृहों का अर्थ एवं ढांचों के बारे में जानकारी दी, साथ ही कारागृहों में निरूद्ध बंदीगण जो विभिन्न प्रकार के प्रकरणों जैसे लघु अपराध के मामले चोरी,जालसाजी आदि मध्यम व गंभीर के प्रवृति के अपराधों के बारे में बताया गया एवं ऐसे सभी बंदियों की समस्त जानकारी निर्धारित प्रारूप एवं विधिक सहायता फॉर्म भरवाया आए। कारागृहों में निरुद्ध ऐसे बंदीगण जो किन्हीं कारणों से विधिक सहायता नही मिल पा रही एवं सहायता में आ रही बाधाओं को दूर करने का प्रयास जेल क्लिनिक के माध्यम से किया जाना चाहिए।

भाजपा ओबीसी मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

भीलवाड़ा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी भीलवाड़ा द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन हमीरगढ़ में शनि महाराज के स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में आयोजित किया गया।

जिसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा राजस्थान चंपालाल गेदर, भीलवाड़ा लोकसभा सह प्रभारी गजपाल सिंह राठौड़, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री महेंद्र सिंह, ओबीसी मोर्चा जिला प्रभारी बद्री सामरिया, भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री नंदलाल गुर्जर, भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चे के जिला अध्यक्ष भगवत सिंह राठौड़, अध्यक्ष भाजपा मंडल हमीरगढ़ लालाराम गाडरी, लोकसभा चुनाव मैं आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर चंपालाल गेदर को कार्यकर्ताओं ने तलवार भेंट की एवं श्रवण सिंह बगड़ी को कार्यकर्ता द्वारा लिखी गई कविता की फ्रेम भेंट की गई। भाजपा जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी में जानकारी देते हुए बताया कि सामाजिक सम्मेलन में सभी अतिथियों ने एक स्वर में आगामी आने वाली 26 अप्रैल को अपने मतदान का प्रयोग कर कमल के निशान पर बटन दबाकर बीजेपी प्रत्याशी को विजय बनाने की अपील की।

हमीरगढ़ में भाजपा ओबीसी भीलवाड़ा का सामाजिक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ।

- सम्मेलन में सभी ने बीजेपी प्रत्याशी को विजय बनाने की अपील की

इस दौरान जिला मंत्री गोपाल तेली, मनोज बुलानी, हमीरगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष रेखा की परिहार, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष शंकर जाट, मनीष जांगिड़, दुलीचंद गाडरी, यशवर्धन सैन, जयदीप सिंह, मंडल महामंत्री जगदीश वैष्णव, विष्णु ओझा, हरलाल सालवी, ओबीसी मोर्चा के हमीरगढ़ मंडल अध्यक्ष लादू जाट, पूर्व महामंत्री रतन मंडोवरा, शंकर गुर्जर, भैरू जाट, शैलेंद्र नाथ, अभिषेक व्यास, कैलाश सोनी, मोहित छीपा, किशन सिंह, कैलाश तेली, नारायण जाट, राधेश्याम सोनी, आदि सहित समस्त कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद रहे।

सार-समाचार

चहूं ओर गूंजे हनुमान जी के जयकारे

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखण्ड क्षेत्र में मंगलवार को हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया इस मौके पर सुंदरकांड हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन भी किए गए मंदिरों पर आकर्षक सजावट भी की गई अखाड़े वाले बालाजी मंदिर में हनुमान जी की महाआरती की गई ।भक्तों ने बताया कि हनुमानजी के विठाह को नवीन चोला धारण करवाया गया तथा उनका आकर्षण श्रंगार भी किया गया। इस मौके पर आराध्या भगवान श्री राम एवं जानकी का दरबार भी सजाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भजन सुंदरकांड का पाठ हनुमान चालीसा का पाठ किया गया इच्छापूर्ण बालाजी खेड़ा कोट बालाजी अखाड़े वाले बालाजी, पीएचडी वाले बालाजी, विद्युत विभाग वाले बालाजी सहित उपखंड क्षेत्र के सभी मंदिरों में हनुमान जयंती के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शोभायात्रा के दौरान मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत , मसूदा सीओ सज्जन सिंह ,मसूदा तहसीलदार श्यामलाल आमेटा ,मसूदा सीआई सुरेन्द्र सिंह राव व मसूदा कस्बे के रामभक्तों की टोलियां मौजूद थी। कानून व्यवस्था बनी रहे इसके लिए स्थानीय प्रशासन शक्ति के साथ मुस्तैद रहा ।

हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

ब्यावर, (निसं) श्री वद्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड मेकअप आर्टिस्ट विभाग द्वारा ''हनुमान जन्मोत्सव' के उपलक्ष में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम हनुमान जी व मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य आर.सी. लोढ़ा ने छात्राओं को हनुमान जी के जीवन मूल्यों से अवगत कराया । उन्होने छात्राओं को हनुमान जी के समान बल और बुद्धि का विवेकपूर्वक सदुपयोग करने हेतु प्रेरित किया । अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने छात्राओं को हनुमान जी के बचपन की पौरोणिक कथाओं व कहानियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का समापन हनुमान जी की आरती के साथ हुआ । कार्यक्रम में फैशन डिजाइनिंग व्याख्याता छवि गरवाल, रितु प्रजापति, शबाना शेख, मेकअप आर्टिस्ट व्याख्याता सुमन अठावाल, प्रियंका मंगरोला तथा मास कम्युनिकेशन प्रवक्ता पूजा कांजानी सहित समस्त संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थिति रहे।

सी.एम. भजनलाल शर्मा आज सरवाड़ में

सरवाड़, (निसं)। शहर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सरवाड़ हाई सेकेंडरी स्कूल को अंतिम रूप दिया इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के समर्थन में आज जनसभा करेंगें। वहीं आज सीएम दोपहर 3:15 बजे सरवाड़ पहुंचेंगे इस दौरान हेलीपैड पर 3:20 बजे हेलीपैड से कार द्वारा सभा स्थल के लिए रवाना होंगे 3:25 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे 3:30 बजे से 4:45 बजे तक जनसभा को संबोधित करेंगे 5 बजे हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए प्रस्थान होंगे यह कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होगा वहीं जनसभा को लेकर तैयारियां को अंतिम रूप दिया गया विधायक शत्रुघ्न गौतम ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला

बिजयनगर, (निसं)। आगामी 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर मंगलवार शाम को पुलिस सब इंस्पेक्टर थाना इंचार्ज राजमल के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता एव सीआरपीएफ पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों के साथ शहर के प्रमुख मार्गो से होकर फ्लैग मार्च निकाला गया ।फ्लैग मार्चकेकड़ी चौराहा से प्रारंभ होकररेलवे फाटक रेलवे स्टेशन महावीर बाजारविवेकानंद सर्किलपीपली चौराहाहोते हुएपुलिस थाना परिसर पहुंचा। फ्लैग मार्च समीप ग्राम बैरल द्वितीय बाड़ी शिखरानी ग्रामीण क्षेत्र में भी निकाला गया फ्लैग मार्च मे सीआरपीएफ पैरामिलिट्री फोर्स के सशस्त्र जवान शामिल हुए।

भजन कीर्तन के साथ मनाया हनुमान जन्मोत्सव

ब्यावर, (निसं) स्थानीय आशापुरा माता धाम में हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में हनुमान जन्मोत्सव आज मंगलवार को धूमधाम और अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

मंदिर परिसर में स्थित श्री पंचमुखी बालाजी के अद्वितीय अलौकिक दर्शन से उपस्थित सभी भक्तगण अभिभूत और रोमांचित हो उठे। मंदिर परिसर की भी पुष्प, गुब्बारों के साथ-साथ मनमोहक और नयनाभिराम विद्युत सज्जा से ऐसी आकर्षक साज-सज्जा की गयी, जिससे मंदिर परिसर के सौन्दर्य में अनुपम वृद्धि हो गयी। मंदिर समिति के सह सचिव सुरेश वैष्णव ने बताया कि प्रात:काल से ही श्री बालाजी महाराज के दर्शन लाभ लेने के लिए धर्मप्रेमी भक्तगणों का पधारना प्रारम्भ हो गया। प्रात: 10 बजे पंचामृत अभिषेक व अद्भुत श्रृंगार से जन्मोत्सव का प्रारम्भ हुआ। मंदिर अर्चक ने श्री पंचमुखी बालाजी महाराज का अद्वितीय व अलौकिक दर्शन कर प्रतिमा को जीवंत बना दिया। दोपहर 4 बजे से कृष्णदीवानी स्वरागिनी की चंचल सोनी एवं शालिनी शर्मा के मुखारबिंद से संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुए। लोगों ने विधि-विधान से नारियल, फूल-माला, मिष्ठान, छप्पन भोग, पान का बीड़ा और अन्य सामग्री से बालाजी की पूजा-अर्चना की। दोपहर 12 बजे जन्म आरती हुई, जिसमें लोगों ने बजरंग बली के जयकारे लगाए। सुबह से देर शाम तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं।

हनुमान जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर को सजाया।

शहर के प्राचीन बजरंगगढ़ बालाजी मंदिर, ऋषि घाटी बालाजी मंदिर, श्री सिद्ध पंचमुखी हनुमान मंदिर, नला बाजार बालाजी मंदिर, मेहंदीपुर कोटड़ा धाम, आगरा गेट स्थित मराठाकालीन पंचमुखी हनुमान मंदिर, मार्टिण्डल ब्रिज स्थित श्रीराम बालाजी मंदिर सहित अन्य मन्दिरों में मंगलवार सुबह मंगला आरती हुई, दोपहर को जन्म आरती और सुन्दरकांड पाठ के आयोजन के साथ बालाजी को 56 प्रकार के भोग लगाया और श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया।

दौलत बाग पहाड़ी पर स्थित 300 वर्ष पुराने प्राचीन हनुमान मंदिर बजरंगगढ़ के नाम से विख्यात है, मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर में पंच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बालाजी की प्रतिमा को स्नान कराने के बाद सिंदूर से श्रृंगारित कर चांदी व सोने के वर्क से सजाया गया, सुबह 8 बजे सुंदरकांड पाठ के बाद छप्पन भोग की झांकी सजाई गई, दोपहर 12 बजे महाआरती हुई छप्पन भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इसी प्रकार प्राचीन घाटी वाले बालाजी मंदिर में दोपहर को महाआरती हुई उसके पश्चात मावे और ड्राई फ्रूट बना केक काट कर हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

श्रीराम नाम संकीर्तन व हनुमान चालीसा पाठ - प्राचीन सिन्धी शिव मन्दिर सेवा ट्रस्ट गंज अजमेर के अध्यक्ष भागचन्द दौलतानी और महासचिव रमेश लालवानी के नेतृत्व में मंगलवार को मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर धार्मिक आयोजन हुए।

सड़क पर गंभीर अवस्था में मिले युवक की अस्पताल में मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के गांव के बाहर जाने वाली सड़क पर एक युवक के लहूलुहान गंभीर अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने घायल के परिजनों को सूचित किया। घायल युवक का छोटा भाई मौके पर पहुंचा और उसे लेकर मांडल हॉस्पिटल पहुंचा। यहां हालत गंभीर होने पर उसे भीलवाड़ा रेफर किया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक मांडल गांव से बाहर कोली खेड़ा सड़क मार्ग पर कोली खेड़ा निवासी नारायण (21) पिता भेरुलाल गुर्जर लहूलुहान गंभीर हालत में सड़क के किनारे घायल अवस्था में मिला। घायल के शरीर पर कई जगह धारदार हथियारों के निशान थे। मौके से गुजर रहे लोगों ने नारायण के भाई श्याम को फोन पर सूचित किया। जिस पर वह मौके पर पहुंचा और घायल अवस्था में भाई को मांडल हॉस्पिटल लेकर गया यहां से उसे भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रेफर किया गया। भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल लाने पर डॉक्टरों ने नारायण को मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने बताया कि उसके एक दोस्त ने उसे फोन करके बताया था कि उसका भाई घायल अवस्था में पड़ा है। जिस पर वो मौके पर पहुंचा तो भाई बुरी तरह घायल अवस्था में पड़ा था। भाई ने बताया कि राकेश सुथार और मदन सिंह स्विफ्ट कार से आए उनके साथ चार पांच लोग और थे। कार से पहले उसे टक्कर मार कर गिरा दिया बाद में चाकू , लाठी डंडों से उसे पीट-पीटकर घायल कर दिया। मैं उसे तुरंत लेकर मांडल हॉस्पिटल पहुंचा और यहां से भीलवाड़ा हॉस्पिटल लेकर आया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। नारायण का इन लोगों से पहले का विवाद चल रहा है। इसके चलते 5 महीने पहले भी नारायण के साथ मारपीट की गई थी।

मृतक नारायण के पिता भेरुलाल ने बताया कि क़स्बे में रहने वाला राकेश सुथार और मदन सिंह नारायण से छोटी-मोटी बात को लेकर दुश्मनी पाले हुए थे।

हर्षोल्लास से हनुमान जन्मोत्सव मनाया

बांदनवाड़ा, (निसं)। क़स्बे मे हनुमान जन्मोत्सव पर पंचायत बालाजी, 22 मिल बालाजी, बीड़ के बाला जी व रामबाग बालाजी, खेड़ीया बालाजी सहित अन्य हनुमान मंदिरों में जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया और इस अवसर पर मन्दिरों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। पंचायत हनुमान मन्दिर में प्रात ही शुभ मुहूर्त में चोला श्रृंगार किया और विधि विधान से झंडारोहण हुआ । मण्डल के कमल शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि झंडारोहण कुंवर वीरेंद्र सिंह राठौड़, समाजसेवी भंवर सिंह राठौड़, इन्द्रदेव कुमावत, प्रभु रहलानी ने किया।

तत्पश्चात श्री रामभक्त मण्डल गुलाबपूरा ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया, पाठ में भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर सुंदरकांड में उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। शाम 4 बजे हनुमान झांकी रथ से बैंड बाजों के साथ शोभायात्रा निकली जिसमें ग्रामीणों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और शोभायात्रा में दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन किया और नन्हे बच्चे बने 21 हनुमानजी आकर्षक का केंद्र रहे व श्रद्धालु नाचते- झूमते भक्ति रस का आनंद लिया।

संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा...

सजाई 56 भोग की झांकी, सुंदरकांड पाठ और महाआरती का आयोजन

अजमेर, (कासं)। शहर सहित जिले भर में श्रीराम भक्त संकटमोचक हनुमान का जन्मोत्सव मंगलवार को पारम्परिक तरीके से मनाया गया। मंदिरों में संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुए। लोगों ने विधि-विधान से नारियल, फूल-माला, मिष्ठान, छप्पन भोग, पान का बीड़ा और अन्य सामग्री से बालाजी की पूजा-अर्चना की। दोपहर 12 बजे जन्म आरती हुई, जिसमें लोगों ने बजरंग बली के जयकारे लगाए। सुबह से देर शाम तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं।

शहर के प्राचीन बजरंगगढ़ बालाजी मंदिर, ऋषि घाटी बालाजी मंदिर, श्री सिद्ध पंचमुखी हनुमान मंदिर, नला बाजार बालाजी मंदिर, मेहंदीपुर कोटड़ा धाम, आगरा गेट स्थित मराठाकालीन पंचमुखी हनुमान मंदिर, मार्टिण्डल ब्रिज स्थित श्रीराम बालाजी मंदिर सहित अन्य मन्दिरों में मंगलवार सुबह मंगला आरती हुई, दोपहर को जन्म आरती और सुन्दरकांड पाठ के आयोजन के साथ बालाजी को 56 प्रकार के भोग लगाया और श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया।

श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ ने केक काटकर हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

दौलत बाग पहाड़ी पर स्थित 300 वर्ष पुराने प्राचीन हनुमान मंदिर बजरंगगढ़ के नाम से विख्यात है, मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर में पंच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बालाजी की प्रतिमा को स्नान कराने के बाद सिंदूर से श्रृंगारित कर चांदी व सोने के वर्क से सजाया गया, सुबह 8 बजे सुंदरकांड पाठ के बाद छप्पन भोग की झांकी सजाई गई, दोपहर 12 बजे महाआरती हुई छप्पन भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इसी प्रकार प्राचीन घाटी वाले बालाजी मंदिर में दोपहर को महाआरती हुई उसके पश्चात मावे और ड्राई फ्रूट बना केक काट कर हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

- विहिप व बजरंग दल ने निकाली भगवा रैली

पंडित दामोदर दाधीच और उनकी मंडली द्वारा श्रीराम नाम संकीर्तन, हवन यज्ञ व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। जन्म आरती के पश्चात लंगर प्रसादी का वितरण श्रद्धालुओं में किया। इस अवसर पर भगवानदास भागचन्दानी, भागचन्द दौलतानी, ताराचन्द लालवानी,रमेश लालवानी, अशोक दौलतानी,गोविन्द लालवानी,रामचन्द तोलानी, राधाकिशन दौलतानी, नीलम कश्यप, बीना सैनी, मुकेश कुमार, किशन भाई ने सेवाएं प्रदान की।

अध्यक्ष मितेश निचानी,उपाध्यक्ष हरीश अगनानी और सचिव हरीश वतवानी ने बताया कि कार्यक्रम में पूज्य श्री झूलेलाल साहिब मन्दिर भीलवाडा के सेवादारी वरिष्ठ नागरिक टेकचन्द टिक्यानी और श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के महासचिव रमेश लालवानी ने हनुमान जी का पूजन करके दस पौण्ड का केक काटा, लढढू का प्रसाद और केक के प्रसाद का आम श्रद्धालुओं में वितरण किया गया। इस अवसर पर संजय मार्केट यूथ विंग के हरीश अगनानी, हरीश वतवानी,गोपाल मनवानी, बाजार के दिव्यांश आलवानी,दौलतराम लख्यानी, भारत तोलानी, राजकुमार पिंजलानी, सन्नी अगनानी,धनराज,चन्द्र लखीसरानी आदि के द्वारा सेवाएं प्रदान की।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ यशस्वी जायसवाल की पारी प्रभावशाली थी क्योंकि उन्होंने शॉट खेलने के लिए समय भी लिया और उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखकर अच्छा संतुलन बनाया।

- ब्रायन लारा

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर, यशस्वी जायसवाल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

युजवेन्द्र चहल

राजस्थान रॉयल्स के लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में मोहम्मद नबी को आउट करते हुए चहल ने यह उपलब्धि हासिल की है। पिछले सत्र ही चहल ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ते हुए लीग इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अब 153वें मैच में उन्होंने 200 विकेट लेने का कारनामा किया है। चहल को सबसे पहले 2011 में मुंबई इंडियंस ने साइन किया था, लेकिन उनका आईपीएल में पर्दापण 2013 में हुआ था।

क्या आप जानते हैं ?... अपनी टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 77 रन बनाए।

गायकवाड़ के शतक पर भारी पड़ी स्टोयनिस की पारी

लखनऊ ने चेन्नई को दूसरी बार 6 विकेट से हराया, स्टोयनिस ने 63 गेंद पर नाबाद 124 रन बनाए

चेन्नई, 23 अप्रेल। मार्कस स्टोयनिस के शतक की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने -2024 में चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हराया। की सीजन में पांचवीं जीत है। टीम पॉइंट्स टेबल में 10 अंक के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मंगलवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए। लखनऊ ने 211 रन का टारगेट 19.3 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया।

मार्कस स्टोयनिस ने 63 बॉल पर नाबाद 124 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 13 चौके और 6 छक्के जमाए। निकोलस पूरन ने 15 बॉल पर 34 रन का योगदान दिया। मथिश पथिराना को दो विकेट मिले। ऋतुराज गायकवाड 60 बॉल पर नाबाद 108 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 12 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। शिवम दुबे ने 27 बॉल पर 66 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 7 छक्के जमाए। मैट हेनरी और मोहसिन खान को एक-एक विकेट मिला। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (1) का विकेट गवां दिया। उसके बाद डैरिल मिचेल ने ऋतुराज के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 45 रन जोडे। छठें ओवर में यश ठाकुर ने हुड्डा के हाथों कैच आउट कराकर मिचेल (11) को पवेलियन भेज दिया। 12वें ओवर में रवींद्र जडेजा (16) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि दूसरे छोर से ऋतुराज लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने 60 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (108) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने ऋतुराज चौथे विकेट लिये 104 रनों की साझेदारी की।

मनिका को पछाड़कर भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमश: जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमश: 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमश: 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है।

केकेआर में मुझे ज्यादा मार्गदर्शन नहीं मिलता था लेकिन अब परिपक्व हो गया हूं : कुलदीप

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा थे तब उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आयी थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने के बाद इस गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग के साथ राष्ट्रीय टीम के लिए भी शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली की टीम से जुड़ने के बाद कुलदीप ने 33 मैचों में 41 विकेट चटकाये है। कुलदीप बताया कि 2020 में घुटने की ऑपरेशन के बाद कोच कपिल पांडे की देखरेख में अभ्यास करते हुए उन्होंने नये कौशल विकसित किये जिसका फायदा मिला।

कुलदीप ने कहा, " मैं जब केकेआर में था तब मुझे मार्गदर्शन की जरूरत थी लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं है। अब मैं अपनी समझ से चीजें नियंत्रित करता हूं। माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनी) ने 2019 के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना छोड़ दिया था और उसके बाद मुझे मार्गदर्शन की जरूरत महसूस हुई। अब अनुभव के साथ मैं चीजों को बेहतर तरीके से समझने लगा हूं।" उन्होंने कहा,"मुझे अब भी केकेआर (2016-2020 तक) में अपने समय पर पछतावा है और मुझे लगता है कि मैं अब जो कुछ भी कर रहा हूं, काश मैं इसे पहले ही कर पाता।" उन्होंने यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, "मुझे अब भी दुख होता है कि अगर मैंने उस समय उन कौशलों पर काम किया होता, तो मैं और भी अधिक प्रभावी हो सकता था।

चमारी अटापट्टू एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची

दुबई, 23 अप्रेल। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 195 रनों रिकार्डो वाली पारी खेलने वाली श्रीलंका महिला टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू आईसीसी की महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई है। चमारी की इस पारी ने महिला क्रिकेट के कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए थे, जिसमें एकदिवसीय में सफल लक्ष्य हासिल के दौरान सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी शामिल था। एकदिवसीय में पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट में यह सफल लक्ष्य हासिल के दौरान दूसरा सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी था। ग्लेन मैक्सवेल ने 2023 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 रनों की पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के चलते चमारी ने आईसीसी की तालिका में अब तक की अपनी सबसे बड़ी रेटिंग (773) प्राप्त करते हुए पहला स्थान प्राप्त कर लिया।

हमें गेंद और बल्ले दोनों से थोड़ा सुधार करने की जरूरत : वॉर्नर

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि टीम के पास मौजूदा आईपीएल में प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। अपने आठ में से पांच मैच हारने के बाद दिल्ली की नजरें बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।

वार्नर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, "टीम की खातिर हमें जहां होना चाहिए हम वहां नहीं हैं। हम कुछ और मैच जीतना पसंद करते। लेकिन फाइनल में चुनौती पेश करने के लिए बेशक हमें बाकी बचे मैच जीतने होंगे।" उन्होंने कहा, "इसलिए हमारे लिए यह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बारे में है। उम्मीद है कि हम प्रत्येक मैच वैसे ही खेल सकेंगे जैसे हम गुजरात के खिलाफ खेले थे।" ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, "हमें बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ा सुधार करना होगा। अगर हम कुल स्कोर को कम रखने में सफल रहे तो यह बहुत अच्छा होगा। और फिर अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो कोशिश करें कि बड़ा स्कोर बनाएं और इसका बचाव करें।"

दिल्ली के पास खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण है जिसने पहले चरण के मैच में गुजरात टाइटंस को 89 रन पर आउट कर दिया था। उन्होंने कहा, "लोग जिस तरह से ट्रेनिंग और तैयारी कर रहे हैं उसमें कोई गलती नहीं है। मैचों में कभी-कभी ऐसा होता है कि आप चीजों को लागू नहीं कर पाते और हम जानते हैं कि जब हम शुरुआत में विकेट चटकाते हैं तो हमारा गेंदबाजी आक्रमण बहुत खतरनाक हो जाता है।"

दोहा में भारतीय ट्रैप निशानेबाजों को ड्रॉ में मिली असफलता

दोहा, 23 अप्रैल। आईएसएसएफ ओलंपिक शॉटगन क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा कर रहे छह भारतीय ट्रैप निशानेबाजों में से कोई भी फाइनल में जगह बनाने में कामयाब नहीं हुआ। कतर के दोहा में आयोजित चैंपियनशिप की पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में तीन भारतीय निशानेबाज - विवान कपूर, ज़ोरावर सिंह संधू और पृथ्वीराज टोंडिमन में से कोई भी क्वालीफाइंग राउंड से आगे नहीं बढ़ पाये। इसके अलावा मनीषा कीर, नीरू और श्रेयसी सिंह का महिला टीम भी अपने स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में असफल रही।

डेथ ओवरों में योजनाओं को लागू करना और अच्छी गेंदें फेंकना महत्वपूर्ण : संदीप शर्मा

जयपुर, 23 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन करने के बाद जोर देते हुए कहा कि डेथ ओवरों (अंतिम ओवरों) में गेंदबाजी करते समय आपको अपनी योजनाओं को लागू करने का प्रयास करते समय बड़ा दिल रखना होगा। चोट के कारण तीन सप्ताह के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए 30 साल के संदीप ने सोमवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 18 रन देकर पांच विकेट चटकाए। संदीप ने मुंबई के खिलाफ रॉयल्स की नौ विकेट की जीत के बाद कहा, "इस साल के आईपीएल में बल्लेबाज बड़े स्कोर बना रहे हैं।

इंपेक्ट प्लेयर नियम के कारण एक अतिरिक्त बल्लेबाज है इसलिए मैच में काफी रन बन रहे हैं। आपको डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते समय बड़ा दिल रखना होगा और अपनी योजनाओं को लागू करने का प्रयास करते हुए अच्छी गेंदें फेंकनी होंगी।" आईपीएल में नई गेंद से शुरुआत करने वाले संदीप ने मौजूदा सत्र में रॉयल्स के लिए अब तक खेले तीन मैच में डेथ ओवरों में गेंदबाजी की है।

उन्होंने कहा, "आज भी अगर आप मुझसे पूछें कि मैं कहां सहज महसूस करता हूं, मैं कहूंगा कि यह नई गेंद के साथ है। पुरानी गेंद के साथ आपको एक गेंदबाज के रूप में अनुकूलित और विकसित होना होगा।" संदीप मांसपेशियों में खिंचाव के बाद एकादश में लौट आए हैं जिसके कारण उन्हें करीब एक महीने तक बाहर रहना पड़ा। मुंबई के खिलाफ संदीप ने सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, टिम डेविड, इशान किशन और गेराल्ड कोएट्जी को आउट किया।

टाइटंस के खिलाफ दिल्ली को गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसे अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जबकि ऋषभ पंत की कप्तानी पर भी नजरें रहेंगी। पंत के लिए घरेलू मैदान पर वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और दिल्ली को लगातार दो जीत दर्ज करने के बाद शनिवार को घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दिल्ली की टीम आठ मैच में तीन जीत और पांच हार से छह अंक के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। टीम अच्छी तरह से जानती है कि अगर उसे प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो जीत की राह पर लौटना होगा।

सनराइजर्स के खिलाफ पंत के फैसलों पर कई बार सवाल उठे। टॉस के समय वह अरूण जेटली स्टेडियम में ओस के पहलू को सही तरह से नहीं भांप पाए और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पंत का पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को सौंपने का फैसला और भी विवादास्पद रहा और सनराइजर्स ने तूफानी शुरुआत करते हुए पावर प्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बनाए। पंत बल्लेबाजी के दौरान जूझते नजर आए और लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में सिर्फ 44 रन बना पाए।

सनराइजर्स के 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों से तूफानी शुरुआत की अपेक्षा थी लेकिन पृथ्वी साव और डेविड वार्नर ने निराश किया। युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने सिर्फ 18 गेंद में 65 रन बनाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। अभिषेक पोरेल ने भी 22 गेंद में 42 रन की पारी खेली लेकिन यह नाकाफी था। सनराइजर्स ने दिल्ली के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से रन बटोरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की कोटला की छोटी बाउंड्री के बीच शॉर्ट पिच गेंदबाजी करने की रणनीति गलत साबित हुई।

सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वाश से संन्यास लिया, लेकिन भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। भारत के सबसे बेहतरीन पुरूष स्क्वाश खिलाड़ियों में शामिल सौरव घोषाल ने सोमवार को पेशेवर सर्किट से संन्यास लेने की घोषणा की लेकिन वह अगले कुछ समय तक बहु-खेल स्पर्धाओं वाले आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। पेशेवर सर्किट में 22 साल खेलने वाले घोषाल ने इंचियोन और हांग्झोउ एशियाई खेलों की टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते हैं।

उन्होंने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। घोषाल ने अपने इंस्टाठााम पर लिखा, "मैंने 22 साल पहले 'पीएसए विश्व टूर' पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े मंचों खेलते हुए मैंने सोचा कि यह कभी ख़त्म नहीं होगा।"

इस 37 साल के खिलाड़ी ने कहा, "लेकिन हर चीज का एक अंत होता है। यह संदेश लिखते समय मैं भावनाओं से अभिभूत हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है। इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीएसए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं।" कोलकाता में जन्में घोषाल दुनिया के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की उच्चतम रैंकिंग हासिल की और छह महीने तक उसे बनाये रखने में सफल रहे। घोषाल ने 2003 में पीएसए में पदार्पण करने के बाद से 18 फाइनल में पहुंचकर 10 पीएसए खिताब जीते हैं।

उन्होंने पीएसए टूर पर अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। घोषाल के नाम 13 राष्ट्रीय खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इसमें से आखिरी खिताब 2020 में जीता था। घोषाल का खेल हालांकि अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और वह भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, " मुझे उम्मीद है कि मैं प्रतिस्पर्धी स्क्वाश को पूरी तरह से अलविदा नहीं कह रहा हूं। मैं कुछ और समय तक भारत के लिए खेलना चाहूंगा। उम्मीद है कि मेरे अंदर संघर्ष करने की कुछ क्षमता बाकी है और मैं अपने देश के लिए कुछ और हासिल कर सकता हूं।

विश्व चैम्पियन बनना शानदार था : लवलीना

लवलीना बोरगोहेन ने साझा किया ओलंपिक का अनुभव

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। भारत की शीर्ष मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन अपने नैसर्गिक भार वर्ग में बदलाव और 75 किग्रा वर्ग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। असम की इस खिलाड़ी ने तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के बाद चुनौतीपूर्ण समय का सामना किया क्योंकि वह विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों से जल्दी बाहर हो गयी थी।

लवलीना पहले 69 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करती थी लेकिन ओलंपिक से इस भार वर्ग को हटाने के बाद उन्होंने 75 किग्रा वर्ग में खेलना शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस भारतीय मुक्केबाज ने 2022 एशियाई चैंपियनशिप और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीता है। लवलीना ने साक्षात्कार में कहा, " वजन में बदलाव के बाद कुल मिलाकर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है।

ओलंपिक वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप जीतना बहुत बड़ी बात थी। मुझे पहले (69 किग्रा के लिए) वजन नियंत्रित करना पड़ता था लेकिन अब मैंने इस वजन से सामंजस्य बिठा लिया है। मैंने प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और अच्छा प्रदर्शन किया है।" लवलीना का वजन आमतौर पर 70 से 75 किग्रा के बीच रहता है ऐसे में उन्हें टूर्नामेंटों से पहले वजन घटाने के लिए अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा, "हां, प्रतिद्वंद्वी (75 किग्रा में) मजबूत हैं लेकिन मैं इस वर्ग में फिट बैठती हूं। मैं 69 किग्रा की तुलना में इस श्रेणी में अधिक सहज हूं क्योंकि मुझे खाने पर ज्यादा नियंत्रण नहीं करना पड़ता है। ऐसे में मेरी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहता है।

मैं मजबूत महसूस करती हूं और मैं बेहतर प्रशिक्षण लेने में सक्षम हूं। मैं ताकत और कंडीशनिंग के साथ अपनी मांसपेशियों को मजबूत करने पर ध्यान देती हूं।" लंदन ओलंपिक खेलों (2012) में महिला मुक्केबाजी को शामिल किए जाने के बाद से 75 किग्रा वर्ग लगातार ओलंपिक खेलों का हिस्सा है। 26 साल की इस खिलाड़ी के लिए पेरिस के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण होगी क्योंकि उनका सामना ऐसे मुक्केबाजों से होगा जो पहले से ही इस वर्ग में खेलती रही है। लवलीना ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं कि 75 किग्रा वर्ग चुनौतीपूर्ण है क्योंकि यह हमेशा से एक ओलंपिक वर्ग रहा है।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम को लॉरेस पुरस्कार, जोकोविच साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

स्पेल, 23 अप्रेल। पिछले साल पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप जीतने वाली स्पेन की टीम को सोमवार को लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में दो और पुरस्कार मिले। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम को 2023 के लिए दुनिया की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम चुना गया जबकि मिडफील्डर एताना बोनमाती को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। समारोह का आकर्षण नोवाक जोकोविच रहे जिन्हें साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। अमेरिका की जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को वापसी करने वाली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। रीयाल मैड्रिड के फॉरवर्ड ज्यूड बेलिंगहैम को 'ब्रेकथ्रू पुरस्कार' मिला जबकि दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल को उनके फाउंडेशन की बदौलत 'स्पोर्ट फोर गुड अवार्ड' से नवाजा गया। जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन में खिताब जीतने के साथ रिकॉर्ड 24 ठौंड स्लैम एकल खिताब जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पांचवीं बार लॉरेस पुरस्कार जीता।लॉरेस के अनुसार नडाल के फाउंडेशन को 'स्पेन और भारत में 1,000 से अधिक कमजोर युवाओं' की मदद करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

सुनील नारायण ने टी-20 विश्व कप के लिए वापसी से इंकार किया

कोलकाता, 23 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे वेस्टइंडीज के पूर्व गेंदबाजी ऑलराउंडर सुनील नारायण कैरेबिया और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए अपने संन्यास के फैसले को वापस नहीं लेंगे और उन्होंने जोर देकर कहा कि वह 'दरवाजा अब बंद हो चुका है"। वेस्टइंडीज के लिए 2019 में टी20 के रूप में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 35 साल के नारायण ने दुनिया भर की फ्रेंचाइजी टी20 लीग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से उनकी शानदार फॉर्म को देखते हुए नारायण को टी20 विश्व कप में खिलाने के लिए मनाने की कोशिशें चल रहीं थी। नारायण ने इंस्टाठााम पोस्ट में लिखा, "मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से वापसी करने और आगामी टी20 विश्व कप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है।"

नारायण ने जोर देकर कहा कि उन्होंने अपने फैसले को स्वीकार कर लिया है और घर से टीम का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, "मैंने उस फैसले को स्वीकार कर लिया है और हालांकि मैं किसी को निराश नहीं करना चाहता लेकिन वह दरवाजा अब बंद हो गया है और मैं उन खिलाड़ियों का समर्थन करूंगा जो जून में वेस्टइंडीज के लिए मैदान में उतरेंगे।" नारायण ने कहा, "जिन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और वे हमारे शानदार प्रशंसकों को यह दिखाने के हकदार हैं कि वे एक और खिताब जीतने में सक्षम हैं। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।"

नाइट राइडर्स से 2012 में जुड़ने वाले नारायण आईपीएल के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने 286 रन बनाए हैं जिसमें पिछले हफ्ते राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद शतक भी शामिल है जो उनका पहला टी20 शतक था। गेंद के साथ यह ऑफ स्पिनर 22.11 की औसत और 7.10 के इकोनॉमी रेट से नौ विकेट चटकाकर संयुक्त रूप से नाइट राइडर्स का सबसे सफल गेंदबाज है। नारायण के शानदार फॉर्म को देखते हुए वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पावेल ने उनसे संन्यास से वापसी करके टीम का प्रतिनिधित्व करने का आग्रह किया था।

लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर होगा आईएसएल फाइनल

मुंबई, 23 अप्रेल। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने मंगलवार को कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से उस टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा जो लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम थी। मोहन बागान ने 15 अप्रैल को मुंबई सिटी एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर लीग शील्ड जीती जबकि एफसी गोवा की टीम तीसरे स्थान पर रही। अब कोलकाता, मुंबई और गोवा आईएसएल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी की दौड़ में हैं। स्थान की पुष्टि होने के बाद मैच के टिकटों की बिक्री शुरू की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में उनियारा (टोंक) में जनसभा को संबोधित किया। मंच पर टोंक भाजपा अध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने मोदी का स्वागत करते हुये उन्हें हनुमान जी की गदा भेंट की। जनसभा में मोदी ने कहा, आरक्षण कभी खत्म नहीं होने दिया जायेगा और ना ही हिन्दुओं के अधिकार मुस्लिमों को बांटे जायेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने भी इस जनसभा को संबोधित किया।

'मोदी राज में आरक्षण खत्म नहीं होगा और ना ही धर्म के नाम पर देश को बंटने दिया जायेगा'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनियारा में चुनाव सभा को संबोधित किया

टोंक, 23 अप्रेल (निसं)। टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी सुखबिर सिंह जौनापुरिया के पक्ष में मंगलवार को टोंक के उनियारा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसभा को सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर प्रहार कर कहा कि, कांग्रेस की सोच हमेशा तुष्टीकरण और भय की राजनीति की रही है। क्या कांग्रेस दलित व आदिवासियों के आरक्षण को कम करके मुस्लिम समुदाय को नहीं बांटेगी? यह सिर्फ मोदी ही गारन्टी दे सकता है कि, मोदी के शासन में आरक्षण खत्म नहीं होगा और ना ही धर्म के नाम पर देश को बांटने दिया जायेगा। कांग्रेस विकास के मुद्दे पर कभी भी चुनाव नहीं लड़ती है।

मोदी ने कहा कि, आपने हमारे भजनलाल को सेवा करने का मौका दिया। जब से भजनलाल और उनकी टीम काम पर लगी है माफिया, अपराधी

> ■ 'अपराधी जान लें, ये भजनलाल हैं। इनकी गाड़ी चलनी शुरू हुई है, टॉप गियर आना बाकी है।'

राजस्थान छोड़कर भागने को मजबूर हैं। पेपरलीक माफिया भी भजनलाल का डंडा पड़ने के बाद ठंडा पड़ गया है। अभी तो इन्हें तीन-चार महीने हुए हैं। अपराधी ये जान लें कि, ये भजनलाल हैं। इनकी गाड़ी अभी चलना शुरू हुई है और टॉप गियर में आना बाकी है।

चुनाव सभा में मोदी ने कहा कि, देश को मजबूत बनाये रखने के लिए स्थाई सरकार और सुरक्षित राष्ट्र जरूरी है। पिछले दस वर्षों में देश ने देखा है कि, एक स्थाई सरकार विकास के क्या-क्या काम कर सकती है। हमने राज्य में गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाया, किसान निधि योजना के तहत किसान लाभान्वित हुए हैं, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आये हैं। वर्ष 2014 व 2019 में राजस्थान ने भाजपा पर विश्वास करके राज्य की 25 की 25 सीटें भाजपा को दी हैं। यह एकता और भाजपा में विश्वास हमारी पूंजी है और आपका आशीर्वाद हैं। सुखबिर सिंह जौनापुरिया हमारे प्रत्याशी हैं, मैं इन्हे स्नेह से जौनापुरिया नहीं जानपुरिया कहता हूं, ये जहां भी जाते हैं, वहां जान भर देते है।

प्रधानमंत्री लगभग प्रात: 10 बजे सभा स्थल पहुंचे। मंच पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने मोदी का स्वागत सम्मान करते हुए उन्हे हनुमान गदा भेट की। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी सभा को संबोधित किया। देहात मंडल अध्यक्ष देवली सांवरिया बैरागी, हरिओम वैष्णव अजमेर संभाग मिडिया समन्वयक, मुकेश जैमन मिडिया सदस्य, जगदीश गुर्जर, मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन, राजेश शर्मा, खैमराज मीणा, दीपक संगत, बीना जैन, अमित जैन, पुष्पेंद्र जैन ,सुनील जैन, पुष्पेंद्र जैन, राजवीर चौधरी, अंकित शर्मा, भाजपा सोशल मीडिया संभाग संयोजक जूली शर्मा, ममता शर्मा, नीलिमा आमेरा, आशा साहू, पूर्व प्रधान शकुंतला वर्मा, तारीक अजीज, विश्वजीत राठौर, स्नेहलता गौतम, संदीप, ओम पांडे सहित हजारों कार्यकर्ता एवं आम जन ने सभा में भाग लिया।

'कांग्रेस के राजस्थान के राजकुमार जालोर से चुनाव लड़ने आये हैं'

महंत बालक नाथ ने जालोर में कहा कि, उनकी अपने जोधपुर में दाल नहीं गली, वे अब यहां आये हैं, असल में ये दाल गलेगी कैसे, क्योंकि इनकी दाल ही काली है

जालोर, 23 अप्रैल। तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ ने जालोर में सामाजिक संवाद कार्यक्रम में यहां से कांग्रेस उम्मीदवार वैभव गहलोत का नाम लिये बगैर कहा कि, जालोर से कांग्रेस के राजकुमार चुनाव लड़ रहे हैं, उनकी पिछली बार जोधपुर में दाल नहीं गली तो वे इस बार अपनी दाल गलाने जालोर आये हैं।

लोकसभा चुनावों को देखते हुए जालौर जिला मुख्यालय पर वीर वीरम देव चौक में भाजपा नगर मंडल जालोर की ओर से सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ ने पीर शांतिनाथ जी महाराज व वर वीरम देव के जय घोष

> ■ महंत बालकनाथ ने कहा कि, जालोर से कांग्रेस के राजकुमार चुनाव लड़ रहे हैं, कांग्रेस में सभी राजकुमार ही होते हैं, एक राजकुमार दिल्ली में है और एक राजस्थान में।

के साथ कहा कि, आपका एक वोट देश की दिशा व दशा तय करेगा। देश मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर अग्रसर है। हमें भ्रष्टाचारी माफियाओं को वोट नहीं देना है। कांग्रेस ने केवल और केवल जनता को बरगलाने का काम किया है।

उन्होंने कहा जालोर से कांग्रेस के राजकुमार चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस में सभी राजकुमार ही होते हैं। एक दिल्ली में और एक राजस्थान में राजकुमार हैं। जिनकी खुद के जोधपुर में पिछली साल दाल नही गली, क्योंकि इनकी दाल ही काली है। वे इस बार यहां आ गए, यहां भी दाल गलने मत देना।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना भगत सिंह, महात्मा गांधी व सुभाष चन्द्र बोस से की। उन्होंने कहा कि, ऐसे व्यक्ति जो लाल किले की प्राचीर से कहते हैं कि तुम मेरा साथ दो, मैं तुम्हे विकसित भारत दूंगा।

इसलिए यह चुनाव जाति-पाति का चुनाव नहीं, देश के लिए कुछ करने का चुनाव है।

विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि, हम सबको आने वाली 26 तारीख को भाजपा प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के समर्थन में अधिकाधिक मतदान करना है साथ ही ऐसा कोई व्यक्ति रह न जाए जिसने वोट नहीं दिया हो हम सबको हर घर पहुंच कर प्रत्येक व्यक्ति का वोट दिलवाने के लिए कार्य करना है। यह मतदान हमें उत्सव के रूप में लेना है। जनसभा के दौरान कई वक्ताओं ने अपनी बात रखी।

कार्यक्रम के पश्चात वीर वीरमदेव सोनगरा की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष दिलीप भट्ट ने किया।

चुनावी नारों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुद्दों पर आधारित रहे हैं। वर्ष 2019 में हुए गत लोकसभा चुनावों में भाजपा का नारा था "फिर एक बार, मोदी सरकार।" उससे पहले वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा इसी नारे पर केन्द्रित रही, "अच्छे दिन आने वाले हैं।" लेकिन कांग्रेस के नारे सामान्य से हटकर और प्राय: मुद्दा आधारित रहे हैं। उदाहरण के तौर पर वर्ष 2004 में कांग्रेस की चुनाव प्रचार मुहिम का नारा था "कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ।" उसके बाद वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का थीम स्लोगन था" आम आदमी के बढ़ते कदम, हर कदम पे भारत बुलन्द।"

वर्ष 1971 में इंदिरा गांधी "गरीबी हटाओ" का नारा लायी थीं। भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने वर्ष 1965 में नारा दिया था, "जय जवान जय किसान।" लेकिन वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब कांग्रेस चुनाव प्रचार करने उतरी, तब उसका नारा लीक से हटकर था, "जब तक सूरज चाँद रहेगा, इंदिरा तेरा नाम रहेगा।" पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा के गठबंधन, एन.डी.ए. ने वर्ष 2004 का लोकसभा चुनाव "इण्डिया शाइनिंग" जैसे मार्केटिंग स्लोगन के साथ लड़ा था, जबकि वर्ष 1996 में भाजपा का लोकप्रिय नारा था, "बारी-बारी सबकी बारी, अबकी बारी अटल बिहारी।" एक अन्य आकर्षक नारा वर्ष 1989 में तब आया था, जब वी.पी. सिंह ने राजीव गांधी को चुनौती दी थी और प्रधानमंत्री बनने में सफल रहे थे।

बसपा पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेतागण भी उनके खिलाफ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। दानिश अली ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि, वह पिछली बार की अपेक्षा इस बार वो 26 अप्रैल को होने वाले चुनावों में अमरोहा सीट से भारी मतों से चुनाव जीतेंगे।

स्तब्ध हैं तृणमूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए पैसों के कारण पैदा हुई इस परिस्थिति का कोई हल नहीं है। एक और संभावित बम धमाका है। सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए शिक्षा विभाग में सामान्य से अधिक पद सृजित किए थे। इन्हें भी अब वसूली के धंधे को चलाने के काम में लगाया गया है। कोर्ट ने मुख्य आदेश के साथ, इन जरूरत से अधिक पदों की उत्पत्ति की जांच का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने यह भी जानना चाहा है कि, इन नियुक्तियों को मंजूरी किसने दी थी। इस प्रक्रिया में राज्य मंत्रिमण्डल शामिल है और जांच-पड़ताल के दौरान मु.मंत्री और मंत्रिमण्डल के मंत्रियों से पूछताछ भी अवश्य की जाएगी। ये सब इसलिए क्योंकि, टी.एम.सी के नेता, अपने आरामदायक अधिकारिक स्थानों से जबरन वसूली रैकेट चलाते थे। भ्रष्टाचार और चोरी-छिपे धन कमाना, न केवल समाज पर एक आर्थिक लागत थोपता है, बल्कि सामाजिक जीवन के नैतिक ताना-बाना और शालीनता की भावना को भी नुकसान पहुंचाता है। ममता बनर्जी के 11 वर्षों के शासन में बिल्कुल ऐसा ही हुआ है। बंगाल, हर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर पतन का साक्षी रहा है और मध्यम वर्ग, अब यह बात समझ पा रहा है कि, विगत दशक में क्या हुआ था।

'आंध्र से 42 सांसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उक्त दोनों को ही पिछले चार-पांच सालों से साइडलाइन किया गया है।

रैवन्त रेड्डी से चाहे भारी या जटिल प्रश्न पूछा जाए, वह प्रत्येक प्रश्न का उत्तर बड़ी मजबूती के साथ देते हैं और तथ्यों के साथ प्रहार करते हैं। पिछले दो दशकों तक विपक्ष का नेता रहने और जमीनी राजनीति से जुड़े रहने के कारण उनका आत्मविश्वास झलकता है। एक थीम, जिसका प्रयोग रेड्डी भाजपा पर प्रहार करने के लिए करते हैं, वह है, दक्षिण भारत के साथ भेदभाव।

तेलंगाना मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं तेलंगाना में कांग्रेस को 17 में से 14 सीटें जिताऊँगा।" उन्होंने आगे कहा कि, भाजपा को अपनी सीटें बचाने में मुश्किल होगी। पिछली बार, भाजपा ने चार सीटें जीती थीं जिसमें केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की सीट शामिल है। सिकंदराबाद चुनाव क्षेत्र में जमीनी रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

रैवंत रेड्डी भविष्यवाणी करते हैं दक्षिण भारत, जहां 130 सीटें हैं, वहाँ भाजपा 20 से भी कम सीटों पर जीत हासिल करेगी। इसका मतलब होगा कि, तेलंगाना और कर्नाटक में भाजपा पिछली बार से कम सीटें जीतेगी। वर्ष 2019 चुनावों में कर्नाटक में भाजपा ने 28 में से 26 सीटें जीती थीं और इस बार कांग्रेस उसे कड़ी टक्कर दे रही है। स्थानीय जनमत सर्वेक्षण दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को आधी-आधी सीटें मिलने की भविष्यवाणी कर रहे हैं लेकिन इडीना सर्वे, जिसने विधानसभा चुनावों में सटीक भविष्यवाणी की थी, ने कांग्रेस की, 28 में से 18 सीटें जीतने की संभावना की घोषणा की है। इसका मतलब केवल कर्नाटक से ही भाजपा को 17 सीटों की हानि होगी। रेवंत रेड्डी ने कहा, भाजपा सत्ता में वापस नहीं आएगी। और अंत में उन्होंने जो कहा उसे सुनकर भक्तों को हार्ट अटैक हो जाएगा। रेड्डी ने कहा, "चुनावों के बाद दक्षिण भारत से एक सांसद प्रधानमंत्री बनेगा।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908